घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com **अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 293- मंगलवार 25- अगस्त 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये** RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

कॉकरोच जनता पार्टी 5 सितंबर को दोबारा दिल्ली मे प्रदर्शन मार्च करेगी

कहा...छात्रों पर दर्ज केस खत्म नहीं हुए,हमारे धैर्य को कमजोरी न समझें

नई दिल्ली,24 अगस्त 2026। कॉकरोच जनता पार्टी 5 सितंबर को दिल्ली में विरोध मार्च निकालेगी। पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार ने 25 जुलाई को युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किया है। इन्हीं वादों के भरोसे पर जंतर-मंतर का प्रदर्शन वापस लिया गया था। मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। इसमें उन स्टूडेंट्स के परिजन भी शामिल होंगे, जिन्होंने नीट पेपर लीक के बाद सुसाइड किया था। इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को भी जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी ने अपनी वर्किंग कमेटी की वर्चुअल मीटिंग के बाद यह फैसला लिया। पार्टी ने कहा कि सरकार ने कहा था कि छात्रों पर दर्ज केस खत्म होंगे,पर ऐसा नहीं हुआ। उन्हें हमारे धैर्य को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। कॉकरोच जनता पार्टी ने नीट पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी की मांगों को लेकर 20 जून से जंतर-मंतर पर आंदोलन शुरू किया था। 25 जुलाई को सरकार से आश्वासन मिलने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अपना आंदोलन खत्म किया था।

कॉकरोच जनता पार्टी बोली...वादे पूरे होने तक पीछे नहीं हटेंगे

कॉकरोच जनता पार्टी नेता सौरव दास और रत्ना सिंह ने कहा कि सरकार को आंदोलन खत्म होने के बाद किए गए वादे पूरे करने चाहिए। सभी एफआईआर वापस लेनी चाहिए और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई रोकनी चाहिए। वहीं,कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने सभी राज्यों के शिक्षा मंत्रियों को लेटर लिखा है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं,इसकी जानकारी दें।

सौरव दास बोले...लोकतंत्र के लिए संवाद जरूरी

सौरव दास ने कहा,'लोकतंत्र तभी काम करता है जब सरकार में बैठे लोगों और उन्हें चुनने वालों के बीच निरंतर संवाद हो। जब दोनों के बीच संचार टूट जाता है,तो समस्याएं और संघर्ष पैदा होते हैं। वहीं,पार्टी ने सभी युवाओं,छात्रों,युवा संगठनों और छात्र संगठनों से 5 सितंबर को इंडिया गेट पर बड़ी संख्या में इकट्ठा होने और मार्च में शांतिपूर्वक भाग लेने की अपील की है।

सुप्रीम कोर्ट ने मांगी थी एफआईआर की लिस्ट

कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को केंद्र से छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर की लिस्ट मांगी थी। पार्टी का दावा है कि कोर्ट अनुच्छेद 142 के तहत इन मामलों को रद्द करने पर विचार कर सकता था। कॉकरोच जनता पार्टी का आरोप है कि केंद्र ने एफआईआर की सूची देने की स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं जताई। पार्टी ने इसे आंदोलन खत्म कराने से पहले किए गए वादों से पीछे हटने का संकेत बताया।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा...उपद्रवियों ने घर फूंका,गोलीबारी में सीआरपीएफ जवान घायल

मणिपुर,24 अगस्त 2026। मणिपुर के सेनापति जिले में एक बार फिर हिंसा भड़कने से इलाके में तनाव का माहौल बन गया। ताफू और आसपास के क्षेत्रों में तड़के दो समूहों के बीच कथित तौर पर झड़प और गोलीबारी हुई। इस दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया। हिंसा के बीच आगजनी की घटना भी सामने आई, जिसमें एक मकान पूरी तरह जलकर खाक हो गया, जबकि दो अन्य घरों को नुकसान पहुंचने की जानकारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,घटना तड़के करीब 2:40 बजे की बताई जा रही है। स्थानीय स्वयंसेवक डी. दिगाबू ने बताया कि वह उस समय अपने घर के गेट के पास मौजूद थे। तभी अचानक नजदीक स्थित एक मकान से आग की लपटें दिखाई देने लगीं। देखते ही देखते इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई और लोगों ने आग बुझाने के लिए मदद की मांग शुरू कर दी।

ग्रामीणों ने पुलिस को दी तत्काल सूचना

आग दिखाई देने के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी। लोगों ने मौके पर फायर ब्रिगेड भेजने की अपील भी की, ताकि आग को दूसरे घरों तक फैलने से रोका जा सके। स्थानीय लोगों के मुताबिक,सुरक्षा बलों की मौजूदगी के बावजूद उपद्रवी आगजनी की घटना को अंजाम देने के बाद दक्षिण दिशा की ओर भाग गए। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

एक मकान पूरी तरह जलकर हुआ राख

हिंसा के दौरान आगजनी से एक घर पूरी तरह नष्ट हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि मकान को काफी नुकसान पहुंचा और वह जलकर राख हो गया। इसके अलावा आसपास स्थित दो अन्य मकानों को भी भारी क्षति पहुंचने की बात सामने आई है। घटना के बाद प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। नुकसान का विस्तृत आकलन संबंधित अधिकारियों की जांच के बाद सामने आने की उम्मीद है।

गोलीबारी में सीआरपीएफ जवान हुआ घायल

हिंसा और आगजनी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में मोर्चा संभाला। इसी दौरान दो समूहों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। ड्यूटी पर तैनात एक सीआरपीएफ जवान गोलीबारी की चपेट में आकर घायल हो गया। सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से घायल जवान को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया,जहां उसका इलाज जारी बताया जा रहा है। घटना के बाद सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि गोलीबारी और आगजनी की इस घटना में किसी आम नागरिक के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि,हिंसा के कारण इलाके में डर और तनाव का माहौल बना हुआ है। प्रशासन की प्राथमिकता स्थिति को नियंत्रित करना और स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

तमिलनाडु में 2027 पोंगल से साल में 3 मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर 1.38 करोड़ परिवार होंगे लाभान्वित

चेन्नई,24 अगस्त 2026। तमिलनाडु में पात्र परिवारों को साल में तीन मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की योजना आगामी 2027 में पोंगल पर्व से लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री विजय ने सोमवार को विधानसभा में इसकी घोषणा की। योजना के तहत पात्र गृहिणियों को हर वर्ष तीन एलपीजी सिलेंडर का लाभ मिलेगा। तमिलनाडु विधानसभा में अनुदान मांगों पर चर्चा 17 अगस्त से जारी है। दो दिनों के अवकाश के बाद सोमवार सुबह 9.30 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इसी दौरान मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा के नियम 110 के तहत मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर योजना की घोषणा की। सरकार ने इस योजना को 'अन्नपूर्णी सुपर 6' के तहत लागू करने का फैसला किया है। इसके लिए हर वर्ष करीब 4,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाएगा। सरकार के अनुसार,योजना से राज्य के 1 करोड़ 38 लाख 16 हजार 104 परिवार लाभान्वित होंगे। योजना के दायरे में सालाना 2.5 लाख रुपये तक की आय वाले आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों के अलावा छोटे एवं सीमांत किसान परिवार तथा दिव्यांग व्यक्तियों के परिवारों को भी शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री विजय ने बताया कि लाभार्थियों को पहले निर्धारित प्रक्रिया के तहत गैस सिलेंडर बुक कराना होगा और उसे प्राप्त करना होगा। इसके बाद तेल कंपनियों से लाभार्थियों की सूची प्राप्त की जाएगी और संबंधित सिलेंडर की कीमत सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना को लागू करने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। सरकार के अनुसार, इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर रसोई गैस के बढ़ते खर्च का बोझ कम करने में मदद मिलेगी।

फर्जी आईटीसी मामले में ईडी का छापा 1.1 करोड़ नकद,डिजिटल साक्ष्य बरामद

नई दिल्ली,24 अगस्त 2026। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ जोनल ऑफिस ने सोमवार सुबह मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद और हरियाणा के फरीदाबाद में नौ ठिकानों पर छापेमारी में न्यू राणा हाउस (मुजफ्फरनगर) और सुधा स्टील (गाजियाबाद) से 1.1 करोड़ रुपये से अधिक नकद बरामद किया। साथ ही एजेंसी ने इस छापेमारी में कई डिजिटल उपकरण,दस्तावेज और रजिस्टर भी जब्त किए। ईडी ने बताया कि यह कार्रवाई जंबूद्वीप एक्सपोर्ट्स एंड इम्पोर्ट्स लिमिटेड से जुड़े फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) मामले में की गई। जांच में सामने आया है कि कंपनी ने फर्जी चालान और ई-वे बिल के जरिए बिना माल की वास्तविक आवाजाही के आईटीसी का निर्माण और पासिंग किया। इसमें व्यापक सर्कुलर लेनदेन, तेजी से फंड्स की लेयरिंग और नकद निकासी शामिल रही। जीएसटी अधिकारियों ने 9.63 करोड़ रुपये का फर्जी आईटीसी लेने और 10.28 करोड़ रुपये का आईटीसी पास करने की पुष्टि की है, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ। ईडी की तलाशी का उद्देश्य अपराध से प्राप्त धन का पता लगाना, अन्य लाभार्थियों की पहचान करना और नेटवर्क से जुड़े सबूत जुटाना था। बरामद नकदी और जब्त किए गए डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। ईडी ने कहा कि आगे की जांच जारी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए दस्तावेजों का विश्लेषण किया जा रहा है।

गर्भवती महिला को बनाया हवस का शिकार,तीन भाइयों ने बार-बार रेप किया

बनासकांठा,24 अगस्त 2026। गुजरात के बनासकांठा जिले से एक महिला ने चार लोगों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। 30 साल की गर्भवती महिला का आरोप है कि तीन भाइयों और उनके चाचा ने उसके साथ बार-बार रेप किया और मारपीट की। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसकी जानकारी के बिना उसका एक प्राइवेट वीडियो रिकॉर्ड कर लिया और बाद में उसी वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल करते रहे। महिला के मुताबिक,आरोपियों ने उस पर धर्म बदलने के लिए भी दबाव बनाया। यह मामला पीड़ित महिला की ओर से 20 अगस्त को शिकायत दर्ज कराने के बाद सामने आया। पुलिस ने आरोपी अख्तर रजबशाह फकीर,उसके भाइयों आरिफ और इलियास के साथ-साथ उनके चाचा सलीमशाह जुमाशाह फकीर के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता की रेप, आपराधिक धमकी और मारपीट से जुड़ी धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

जेपीएसएस परीक्षा गड़बड़ी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त,झारखंड सरकार समेत 6 को नोटिस

नई दिल्ली,24 अगस्त 2026। झारखंड लोक सेवा आयोग यानी जेपीएसएस की संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 को लेकर उठे विवाद ने अब देश की सर्वोच्च अदालत का दरवाजा खटखटाया है। परीक्षा में कथित अनियमितताओं और गड़बड़ियों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। मामले की सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने झारखंड सरकार, जेपीएसएस समेत सभी छह प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है। इस घटनाक्रम के बाद परीक्षा को लेकर चल रहे विवाद ने नया मोड़ ले लिया है।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने की सुनवाई : मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने की। अदालत ने मामले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए आगे की सुनवाई के लिए जल्द तारीख तय करने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बाद अब झारखंड सरकार और संबंधित आयोगों को इस मामले में अपना पक्ष रखना होगा। याचिका में

परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता और कथित गड़बड़ियों की गहराई से जांच की मांग की गई है।

छात्रों के लगातार प्रदर्शन का अदालत में हुआ जिक्र : सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा ने अदालत के सामने छात्रों के विरोध प्रदर्शन का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि झारखंड में छात्र लगातार सड़कों पर उतरकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। उनका कहना था कि विवाद केवल जेपीएसएस तक सीमित नहीं है, बल्कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग यानी जेएसएससी की परीक्षाओं को लेकर भी अभ्यर्थियों में असंतोष बना हुआ है। याचिकाकर्ता की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पूरे मामले की स्वतंत्र जांच की मांग रखी गई। इसके लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई से जांच कराने का सुझाव दिया गया। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच समिति गठित करने की मांग भी की गई। याचिकाकर्ता का पक्ष था कि परीक्षा से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष तरीके से जांच होने पर वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच समिति बनाने की मांग पर अलग रुख व्यक्त किया। अदालत ने संकेत दिया कि यह मामला केवल प्रशासनिक जांच तक सीमित नहीं माना जा सकता। यदि परीक्षा में वास्तव में किसी तरह की आपराधिक गड़बड़ी हुई है,तो उसकी जांच सामान्य प्रशासनिक समिति के बजाय पेशेवर जांच एजेंसी से कराना अधिक उचित होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान जांच के तकनीकी पहलुओं की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

मुंबई में ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों की हड़ताल

मराठी नियम का विरोध,सरकार ने कहा था...3 महीने में भाषा सीखनी होगी

मुंबई,24 अगस्त 2026। मुंबई में ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों ने सोमवार को सरकार के मराठी बोलने वाले नियम के विरोध में 3 दिन की हड़ताल बुलाई है। मराठी नहीं बोलने वाले ड्राइवरों का कहना है कि इससे उन पर ज्यादा बोझ पड़ेगा। प्रदर्शनकारी कांदिवली लिंक रोड पर विरोध कर रहे हैं। कई उम्रदराज ड्राइवरों का कहना है कि उन्होंने बिल्कुल पढ़ाई नहीं की है और 55-60 साल की उम्र में नई भाषा सीखना मुश्किल है। बुधवार को ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर 3 महीने में मराठी सीखने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी मराठी नहीं सीखने पर लाइसेंस और बैज सस्पेंड किया जाएगा। राज्य में 20 अगस्त से उन ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू हो गया है। कई ड्राइवरों को नोटिस भी दिया

गया है। ड्राइवरों ने कहा कि कई प्रदर्शनकारी मराठी सीखने और टूटी-फूटी मराठी बोलने की कोशिश कर रहे हैं। उनका दावा है कि अधिकारियों की ओर से उन्हें नियम पूरा करने का समय देने के बजाय जुर्माना लगाया जा रहा है। उन्होंने ने कहा,'क्या हम 15-20 हजार रुपए का जुर्माना भर सकते हैं? न्याय मिलने तक हम तीन दिन की हड़ताल करेंगे।'भाषा संबंधी इस निर्देश को लेकर परिवहन कर्मचारियों के एक वर्ग में विरोध बढ़ रहा है।

महाराष्ट्र में सरकारी अस्पताल में आग..3 बच्चों की मौत,36 को बचाया

अमरावती,24 अगस्त 2026। महाराष्ट्र के अमरावती जिला महिला अस्पताल के एनआईसीयू में सोमवार सुबह करीब 3:30 बजे आग लग गई। तीसरी मंजिल पर स्थित इस चाइल्ड केयर यूनिट में उस समय 39 नवजात भर्ती थे। इनमें 3 नवजातों की मौत हो गई। 36 को बचाया गया। अमरावती के पुलिस कमिश्नर राकेश ओला के मुताबिक, एनआईसीयू के तीन कंपार्टमेंट में से एक में 9 नवजात भर्ती थे।

आग इसी हिस्से में फैली, जिसमें 3 बच्चे उसकी चपेट में आ गए। बाकी 6 बच्चों को इलाज के लिए दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। इन छह बच्चों की मौजूदा स्थिति को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। अचलपुर के रहने वाले योगेश सावर्कर ने बताया कि उनकी पत्नी और 8 दिन का बच्चा अस्पताल में भर्ती था। वह रात में अस्पताल के बाहर सो रहे थे। एनआईसीयू में

आग और धुआं फैलते ही अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। योगेश ने बताया कि वे पहली मंजिल पर पहुंचे और अपने बच्चे को गोद में लेकर नीचे भागे। उन्होंने बताया कि वहां मौजूद दूसरे बच्चों के शरीर पर काली राख जमी हुई थी। परिजन अपने बच्चों को बचाने के लिए वार्ड की ओर दौड़ रहे थे। योगेश के मुताबिक, गार्ड सबसे पहले बच्चों को बचाने के लिए वार्ड में पहुंचे। उन्होंने बच्चों को बाहर निकालना शुरू किया। एक नर्स भी बच्चों की जान बचाने में मदद कर रही थी। आग तेजी से फैल रही थी और वार्ड में धुआं भर गया था, जिससे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था।

'एक राष्ट्र,एक चुनाव' पर जेपीसी की अहम बैठक पीपी चौधरी बोले...99 फीसदी हितधारक पक्ष में

नई दिल्ली,24 अगस्त 2026। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रस्ताव पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की सोमवार को अहम बैठक हुई। संसद भवन एनेक्सी में हुई बैठक में विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं ने भी हिस्सा लिया। जेपीसी 129वें संविधान संशोधन विधेयक की जांच कर रही है।

इस विधेयक का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराने का रास्ता तैयार करना है। सोमवार की बैठक में जेपीसी अध्यक्ष पीपी चौधरी के अलावा भाजपा सांसद के. लक्ष्मण,कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम, तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष और एनसीपी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले समेत समिति के अन्य सदस्य शामिल हुए। करीब सात

घंटे चली इस बैठक में जेपीसी के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने दावा किया कि अब तक समिति जिन हितधारकों से परामर्श कर चुकी है, उनमें करीब 99 फीसदी लोग देशभर में एक साथ चुनाव कराने के पक्ष में हैं।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर गठित संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि समिति को पद्म पुरस्कार से सम्मानित लोगों से महत्वपूर्ण और उपयोगी सुझाव मिले हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े अन्य पद्म पुरस्कार विजेताओं से भी समिति को उनके विविध अनुभवों के आधार पर महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। पीपी चौधरी ने कहा कि संबंधित पद्म पुरस्कार विजेता के लंबे अनुभव और नागरिक समाज के प्रतिनिधि के रूप में उनकी भूमिका को देखते हुए समिति को उनसे मूल्यवान जानकारी मिली।

उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर उनके विचार भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि पद्म पुरस्कार विजेताओं की राय है कि समिति को राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए काम करना चाहिए।

साथ ही,'एक राष्ट्र,एक चुनाव' की व्यवस्था लागू करने से पहले पर्याप्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने चाहिए। चौधरी ने कहा कि पद्म पुरस्कार विजेताओं के बीच 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर व्यापक समर्थन है और सभी चाहते हैं कि इस दिशा में राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ा जाए।

सिंहेश्वर मंदिर में धक्का-मुक्की में 8 घायल...फर्श पर गिरने से महिला का सिर फटा

मधेपुर,24 अगस्त 2026। बिहार में मधेपुरा के सिंहेश्वर धाम में सावन के अंतिम सोमवार पर जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी। इससे मंदिर परिसर में धक्का-मुक्की शुरू हो गई और कतार टूटने से भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। कुछ श्रद्धालु गिर गए। एक महिला के सिर में चोट लगी,जबकि 8 लोग घायल हुए हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। उसकी वर्दी भी फट गई। सभी घायलों को JNKT मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। करीब आधे घंटे तक

अफरा-तफरी का माहौल रहा। इसके बाद स्थिति पर काबू पा लिया गया। फिलहाल मंदिर में पूजा और जलाभिषेक जारी है। सिंहेश्वर धाम में रात 1 बजे सरकारी पूजा के बाद पट खुलते ही हजारों की भीड़ मंदिर पहुंच गई। एक महिला श्रद्धालु फर्श पर गिर गई, जिससे उसका सिर फट गया। सूचना मिलते ही मधेपुरा डीएम, एसपी,एसडीएम और एसडीपीओ मंदिर पहुंचे और स्थिति को संभाला। अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर भीड़ को कतार में किया गया। मंदिर न्यास समिति ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। सावन महीने के चौथे सोमवार को झारखंड के मंदिरों में भी हर-हर महादेव के जयकारे गूंज रहे हैं। देवघर बाबा मंदिर से 4 किमी लंबी कांवड़ियों की लंबी लाइन लगी हुई है। बिहार के समस्तीपुर के थानेश्वर स्थान मंदिर में ढाई लाख से अधिक श्रद्धालुओं के जलाभिषेक करने की संभावना है। इसके लिए रविवार शाम से ही कांवड़ियों जुटने लगे थे। अनुमान है कि सोमवार को करीब 7 लाख श्रद्धालु सुल्तानगंज के नमामि गंगे घाट,बरारी घाट सहित विभिन्न गंगा घाटों से गंगाजल भरकर बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर के लिए निकलेंगे। आज पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के साथ प्रीति योग एवं आयुष्मान योग का संयोग है। सुबह 08:57 बजे तक प्रीति योग है। इसके बाद पूरे दिन आयुष्मान योग रहेगा।

संपादकीय

मिठास की धरती पर चीनी महंगी क्यों?

जिस देश ने दुनिया को चीनी बनाना सिखाया,आज उसी देश में मिठास की कीमत आम आदमी की जेब पर भारी पड़ रही है । भारत में चीनी केवल एक खाद्य पदार्थ नहीं है। यह हमारी संस्कृति,त्योहारों,परंपराओं और सामाजिक जीवन का हिस्सा है। जन्म से लेकर मृत्यु तक,खुशी से लेकर धार्मिक अनुष्ठानों तक–चीनी,गुड़ और मिठाई हमारी जिंदगी में किसी न किसी रूप में मौजूद रहते हैं। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस देश ने हजारों साल पहले गन्ने के रस से गुड़ और फिर दानेदार चीनी बनाने की तकनीक विकसित की,उसी देश में आज चीनी के बढ़ते दाम आम आदमी के माथे पर चिंता की लकीरें खींच रहे हैं। जिस भारत ने दुनिया को गन्ने से मिठास निकालने की कला सिखाई,उसी भारत में आज सवाल यह है कि आखिर चीनी की मिठास बाजार में इतनी कड़वी क्यों हो गई?

आज सवाल केवल इतना नहीं है कि चीनी महंगी क्यों हो रही है। बड़ा सवाल यह है कि दुनिया के बड़े चीनी उत्पादक देशों में शामिल भारत को ऐसी स्थिति का सामना क्यों करना पड़ रहा है कि घरेलू बाजार में कीमतें तेजी से ऊपर चली जाएं और सरकार को आयात जैसे कदमों पर विचार करना पड़े? आखिर उत्पादन, खपत,स्टॉक,निर्यात,आयात और एथेनॉल नीति के बीच वह कौन-सा संतुलन है, जिसके बिगड़ते ही आम आदमी की रसोई पर सीधा असर पड़ने लगता है?

हालिया महीनों में चीनी की कीमतों में तेज उछाल ने इस सवाल को और गंभीर बना दिया है। रिपोर्टों के अनुसार घरेलू कीमतों में करीब दो महीनों में लगभग 40 प्रतिशत तक की वृद्धि देखने को मिली है। महाराष्ट्र में थोक कीमतें मार्च के आसपास करीब 3,650 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर अगस्त में लगभग 5,400 रुपये तक पहुंचने की रिपोर्ट है,जबकि खुदरा बाजार में कीमतें करीब 65 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई हैं। यह महज चीनी की कीमत बढ़ने की कहानी नहीं है। यह कृषि,मौसम,उत्पादन,सरकारी नीति,उद्योग और उपभोक्ता–इन सभी के बीच बिगड़ते संतुलन की कहानी है।

चीनी की कीमतों में मौजूदा तेजी के पीछे सबसे प्रमुख कारणों में गन्ने के उत्पादन पर पड़ा मौसम का असर सामने आ रहा है। महाराष्ट्र,कर्नाटक और गुजरात जैसे प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में पिछले वर्ष सितंबर-अक्टूबर के दौरान अत्यधिक बारिश ने गन्ने की वृद्धि और उत्पादन को प्रभावित किया। इसका असर चीनी उत्पादन और उपलब्ध स्टॉक पर पड़ा। जब बाजार में उपलब्धता को लेकर आशंका पैदा होती है,तो कीमतों पर दबाव बनना स्वाभाविक है। यहां एक महत्वपूर्ण बात समझने की जरूरत है कि चीनी उद्योग में आज की कीमत केवल आज की मांग से तय नहीं होती। इसका रिश्ता पिछले मौसम की फसल से लेकर मिलों के उत्पादन,उपलब्ध स्टॉक,निर्यात-आयात नीति और आने वाले त्योहारों की मांग तक जुड़ा होता है। यानी खेत में मौसम बिगड़ता है तो उसका असर कुछ महीने बाद हमारी रसोई तक पहुंचता है।

यहां कहानी थोड़ी पेचीदा भी है। चालू 2025-26 सीजन में अप्रैल के अंत तक भारत का चीनी उत्पादन करीब 275.28 लाख टन बताया गया था,जो पिछले साल की समान अवधि से लगभग 7 प्रतिशत अधिक था। लेकिन बाद के अनुमानों में तस्वीर बदली और पूरे सीजन का उत्पादन करीब 306 लाख टन रहने का अनुमान सामने आया,जो राज्यों के शुरुआती अनुमान करीब 343 लाख टन से लगभग 10.8 प्रतिशत कम है। फसल रोग और अत्यधिक बारिश को इसके पीछे प्रमुख कारण बताया गया है। यानी शुरुआती आंकड़े आशावादी थे,लेकिन मौसम और फसल की वास्तविक स्थिति ने बाद में पूरा गणित बदल दिया। यही वह जगह है जहां नीति-निर्माताओं के लिए सबसे बड़ा सबक छिपा है–कृषि में अनुमान केवल आंकड़ा नहीं होता,वह बाजार की दिशा और करोड़ों उपभोक्ताओं की जेब का भविष्य तय करता है।

चीनी की कीमत बढ़ते ही एथेनॉल का मुद्दा भी चर्चा में आ गया। तर्क दिया गया कि गन्ने से एथेनॉल बनाने के कारण चीनी के लिए उपलब्ध कच्चा माल कम हुआ और इससे बाजार में आपूर्ति का दबाव बढ़ा। लेकिन केंद्र सरकार ने मौजूदा कीमत वृद्धि को सीधे एथेनॉल उत्पादन से जोड़ने के तर्क को खारिज किया है। सरकार का कहना है कि एथेनॉल उत्पादन में अब मक्का जैसे अन्य फीडस्टॉक का भी बड़ा उपयोग हो रहा है और मौजूदा तेजी के पीछे अन्य आपूर्ति संबंधी कारण महत्वपूर्ण हैं। इसलिए पूरे विवाद को केवल'एथेनॉल बनाम चीनी' के रूप में देखना समस्या को बहुत सरल बना देना होगा। असली सवाल यह है कि देश की ऊर्जा नीति और खाद्य सुरक्षा नीति के बीच संतुलन कैसे कायम किया जाए। गन्ने से पेट्रोल में मिलाने के लिए एथेनॉल भी चाहिए और खाने-पीने के लिए चीनी भी। किसान को बेहतर मूल्य भी चाहिए और उपभोक्ता को सस्ती चीनी भी। नीति की असली चुनौती यही संतुलन है।। चीनी का इतिहास भी इस बहस को एक अलग अर्थ देता है। भारत में गन्ने के रस को संसाधित कर चीनी बनाने की तकनीक विकसित हुई और धीरे-धीरे यह ज्ञान फारस,अरब जगत और यूरोप तक पहुंचा। आगे चलकर चीनी दुनिया के बड़े व्यापारिक उत्पादों में शामिल हुई। एक दौर में यूरोप में चीनी इतनी दुर्लभ और महंगी थी कि उसे 'सफेद सोना' तक कहा गया। आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। चीनी हमारे लिए रोजमर्रा की वस्तु है। चाय से लेकर मिठाई तक,घर से लेकर होटल तक,त्योहार से लेकर धार्मिक आयोजन तक–इसकी मांग हर जगह है। लेकिन मौजूदा मूल्य वृद्धि हमें याद दिला रही है कि कोई भी खाद्य वस्तु वास्तव में सस्ती तभी रह सकती है, जब उसके उत्पादन और आपूर्ति की पूरी श्रृंखला संतुलित हो। चीनी महंगी होगी तो सिर्फ चाय फीकी नहीं होगी। इसका असर मिठाई उद्योग पर पड़ेगा, बेकरी उत्पादों की लागत बढ़ सकती है,शीतल पेय और अन्य खाद्य पदार्थ महंगे हो सकते हैं और त्योहारों के मौसम में मिठाई खरीदने वाले परिवारों का बजट बिगड़ सकता है। सबसे ज्यादा असर उस आम उपभोक्ता पर पड़ेगा, जिसकी आय पहले से ही महंगाई के दबाव में है। एक किलो चीनी की कीमत में हुई वृद्धि भले ही पहली नजर में छोटी लगे,लेकिन जब यही लागत हजारों खाद्य उत्पादों में शामिल होती है तो उसका असर पूरे बाजार में दिखाई देता है। यही कारण है कि चीनी को केवल एक कृषि उत्पाद मानकर छोड़ देना उचित नहीं होगा। यह खाद्य सुरक्षा,महंगाई और आम आदमी की क्रय शक्ति से जुड़ा विषय है। सरकार के सामने इस समय आसान चुनौती नहीं है। एक तरफ किसान है, जिसे गन्ने का उचित मूल्य चाहिए। दूसरी तरफ चीनी मिलें हैं,जिन्हें आर्थिक रूप से मजबूत रहना है। तीसरी तरफ उपभोक्ता है,जिसे त्योहारों से पहले अचानक महंगी चीनी का सामना नहीं करना चाहिए। चौथी तरफ एथेनॉल जैसी ऊर्जा नीति है,जिसे सरकार आगे बढ़ाना चाहती है। इन सभी हितों के बीच संतुलन साधना ही असली प्रशासनिक और आर्थिक चुनौती है। सरकार की भूमिका यहीं सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। जब बाजार में असामान्य तेजी दिखाई दे,तब केवल कीमत बढ़ने के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय पहले से संकेत पहचानने की व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। देश में वास्तविक स्टॉक कितना है? उत्पादन का वास्तविक अनुमान क्या है? मिलों के पास कितना स्टॉक उपलब्ध है? घरेलू खपत के लिए कितना भंडार पर्याप्त है? आने वाले त्योहारों में मांग कितनी बढ़ेगी? और यदि संभावित कमी दिखाई दे रही है तो आयात का निर्णय कब लिया जाना चाहिए? इन सवालों के जवाब समय रहते मिल जाएं तो बाजार में अचानक होने वाली तेजी को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। चीनी उद्योग की एक बड़ी समस्या यह भी है कि सरकार को बदलती परिस्थितियों के साथ बार-बार अपनी नीति में बदलाव करना पड़ता है। कभी निर्यात रोकना पड़ता है,कभी बढ़ाना पड़ता है,कभी स्टॉक पर नियंत्रण लगाना पड़ता है और कभी आयात की राह खोलनी पड़ती है। हालिया स्थिति में भारत की नीति में निर्यात से आयात की ओर बदलाव ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि क्या 2025-26 के उत्पादन और स्टॉक के अनुमान जरूरत से ज्यादा आशावादी थे। यदि ऐसा है तो भविष्य के लिए इससे बड़ी सीख और क्या होगी? कृषि नीति को केवल पिछले वर्ष के आंकड़ों के आधार पर नहीं,बल्कि मौसम,उत्पादन चक्र,फसल रोग,घरेलू मांग और वैश्विक बाजार के संभावित बदलावों को ध्यान में रखकर तैयार करना होगा। भारत ने दुनिया को चीनी बनाने की कला दी। गन्ने के रस से गुड़,गुड़ से खांड और फिर आधुनिक दानेदार चीनी तक का सफर केवल खाद्य इतिहास नहीं,बल्कि भारतीय कृषि और सभ्यता के विकास की कहानी भी है। लेकिन आज उसी मिठास के सामने महंगाई की चुनौती खड़ी है। इस चुनौती का समाधान न तो केवल आयात है, न केवल निर्यात पर रोक। न केवल एथेनॉल को दोष देना उचित है और न ही केवल मौसम को। जरूरत है दीर्घकालिक और संतुलित नीति की।

किसान को गन्ने का उचित मूल्य मिले,चीनी मिलों की आर्थिक स्थिति मजबूत रहे,एथेनॉल नीति आगे बढ़े लेकिन खाद्य सुरक्षा से समझौता न हो,पर्याप्त बफर स्टॉक रखा जाए,बाजार में जमाखोरी पर नजर हो और उपभोक्ता को त्योहारों के समय अचानक महंगाई का सामना न करना पड़े–इन सभी बातों को एक साथ साधना होगा। आखिर चीनी की मिठास केवल हमारे कप में नहीं होती। वह किसान की मेहनत में है, मजदूर के पसीने में है,उद्योग की अर्थव्यवस्था में है और उस आम आदमी की जेब में भी है,जो त्योहार पर अपने बच्चों के लिए मिठाई खरीदना चाहता है। इसलिए सरकार की चुनौती केवल चीनी के दाम को नियंत्रित करना नहीं है। चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि भारत की मिठास बाजार के उतार-चढ़ाव में कड़वाहट न बन जाए। जिस देश ने दुनिया को चीनी की मिठास दी,वहां आज सबसे जरूरी है–उत्पादन में स्थिरता,नीति में दूरदर्शिता और कीमत में संतुलन। क्योंकि जब चीनी की मिठास आम आदमी की जेब पर बोझ बनने लगे,तब सवाल केवल बाजार का नहीं रहता,वह शासन की आर्थिक समझ और नीति की दूरदर्शिता का भी सवाल बन जाता है।

अंतरिक्ष में भारत की निजी शक्ति एवं वैज्ञानिक सामर्थ्य की उड़ान

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार,उद्यमिता, युवा प्रतिभा,निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं,बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है। इसमें उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ भारत को विश्व की अंतरिक्ष प्रतिभा,निवेश और उद्यमिता का आकर्षण-केंद्र बनाने का सपना प्रस्तुत किया,वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का भी संकेत है। भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन,आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया,उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची,चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी,यह भारतीय प्रतिभा,तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य-एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान में केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं,बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी

प्रतीकात्मक: दैनिक घटती-घटना

निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई को दर्शाता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं,कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता,पृथ्वी अवलोकन,संचार,मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है,जबकि अग्निकुल कॉसमॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान,निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं,बल्कि धरती पर जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है। उपग्रह आधारित सेवाएं कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, फसल की निगरानी करने,जल संसाधनों की पहचान,मौसम की सटीक जानकारी देने, मछली पालन,वन संरक्षण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी हो सकती हैं। बाढ़, चक्रवात,सूखा और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय अंतरिक्ष से प्राप्त सूचनाएं राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में संचार तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी अंतरिक्ष तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं,बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास का शक्तिशाली माध्यम बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक सोच पर आधारित दिखाई देता है। उनका सपना भारत को केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश बनाना नहीं,बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। वे चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएं,भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार,मौसम, रक्षा,कृषि,परिवहन,ऊर्जा,आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है। ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेगा,उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं,चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक,कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो नवाचार को प्रोत्साहित करें, निजी उद्यमों को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराएं,अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाएं तथा निवेशकों का विश्वास कायम रखें। अंतरिक्ष क्षेत्र की एकल खिड़की व्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं।

भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और दक्षता की अपनी पारंपरिक ताकत को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। यदि यही क्षमता निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से जुड़ती है तो भारत छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण,उपग्रह निर्माण,अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों और वैश्विक अंतरिक्ष सेवाओं के क्षेत्र में बड़ा बाजार हासिल कर सकता है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ-साथ उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का अनुभव निजी क्षेत्र के लिए अमूल्य पूंजी है। दशकों की वैज्ञानिक साधना से अर्जित ज्ञान,प्रक्षेपण तकनीक,उपग्रह निर्माण की क्षमता और मिशन प्रबंधन का अनुभव अब देश के नवोदित उद्यमों के लिए मार्गदर्शक शक्ति बन सकता है। सरकारी संस्थान और निजी उद्यम यदि प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग की संस्कृति विकसित करें तो भारत की अंतरिक्ष शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। सरकार का काम रास्ता खोलना है, वैज्ञानिक संस्थानों का काम ज्ञान और अनुभव उपलब्ध कराना है और निजी क्षेत्र का काम गति, नवाचार और बाजार की शक्ति को आगे बढ़ाना है। इन तीनों का समन्वय भारत को नई ऊंचाई दे सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान कि भारत ऐसा वातावरण बनाए जहां दुनिया भर के युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए यहां आने की सोचें,वास्तव में प्रतिभा की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की नई आकांक्षा को व्यक्त करता है। यह केवल रॉकेटों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य नहीं है, यह भारत को अंतरिक्ष आधारित ज्ञान,तकनीक और अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने की कल्पना है। आने वाले समय में अंतरिक्ष में भारत की सफलता का मूल्यांकन केवल कितने उपग्रह भेजे गए या कितने रॉकेट छोड़े गए, ससे नहीं होगा। असली कसौटी यह होगी कि अंतरिक्ष तकनीक ने भारतीय किसान, विद्यार्थी,उद्यमी,सैनिक,वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक के जीवन को कितना बेहतर बनाया। भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब उस मुकाम पर है जहां आकाश सीमा नहीं,बल्कि अवसर है। चंद्रयान-3 की चंद्र विजय से लेकर सूर्य की ओर आदित्य-एल1 की यात्रा,मंगलयान की ऐतिहासिक सफलता से लेकर मानव को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी और सरकारी संस्थानों से निकलकर निजी स्टार्टअप के प्रक्षेपण तक भारत ने लंबी दूरी तय की है। अब अगला अध्याय और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक,तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े,जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

सिर्फ शिक्षा से बेरोजगारी का समाधान नहीं हो सकता

डॉ. विजय गर्ग
मलोट,पंजाब

बेरोजगारी का सबसे मजबूत समाधान अक्सर शिक्षा को माना जाता है। युवाओं को मेहनत से पढ़ाई करने, डिग्रियां हासिल करने और योग्यताएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाता है,इस उम्मीद के साथ कि शिक्षा उन्हें अपने आप एक सुरक्षित और सम्मानजनक नौकरी दिला देगी। निःस्संदेह,शिक्षा व्यक्तिगत विकास,रोजगार योग्यता और आर्थिक प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेकिन केवल शिक्षा से बेरोजगारी की समस्या का समाधान नहीं हो सकता। शिक्षा और रोजगार के बीच संबंध काफी जटिल है। किसी देश में लाखों शिक्षित युवा हो सकते हैं,फिर भी बेरोजगारी बढ़ सकती है,यदि अर्थव्यवस्था पर्याप्त नौकरियां पैदा न कर रही हो, शिक्षा बाजार की जरूरतों के अनुरूप न हो या युवाओं के पास व्यावहारिक कौशल और कार्य अनुभव की कमी हो।

डिग्रियां अपने आप नौकरियां पैदा नहीं करतीं

एक डिग्री अवसरों के दरवाजे खोल सकती है, लेकिन जहां नौकरी ही उपलब्ध न हो,वहां डिग्री नौकरी पैदा नहीं कर सकती। यदि स्नातकों की संख्या उपयुक्त रोजगार के अवसरों की तुलना में तेजी से बढ़ती है,तो शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी बढ़ सकती है। यह समस्या विशेष रूप से तब दिखाई देती है जब बड़ी संख्या में विद्यार्थी एक जैसे पारंपरिक करियर विकल्पों को चुनते हैं। सरकारी नौकरियां,इंजीनियरिंग,चिकित्सा,अध्यापन और कुछ अन्य पेशों को अक्सर सुरक्षित और प्रतिष्ठित माना जाता है। जब हजारों उम्मीदवार सीमित पदों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं,तो योग्य युवा भी कई वर्षों तक बेरोजगार या अपनी योग्यता से कम स्तर के काम के लिए मजबूर हो सकते हैं। इसलिए समस्या केवल यह नहीं है कि युवाओं के पास शिक्षा की कमी है। समस्या यह भी है कि अर्थव्यवस्था में पर्याप्त उत्पादक रोजगार के अवसर पैदा होने चाहिए।

कौशल का अंतर

एक बड़ी समस्या विद्यार्थियों को मिलने वाली शिक्षा और नियोक्ताओं की आवश्यकताओं के बीच का अंतर है। पारंपरिक शिक्षा में अक्सर परीक्षाओं, याद करने और सैद्धांतिक ज्ञान पर अधिक जोर दिया जाता है। लेकिन कार्यस्थल पर संचार,टीमवर्क, समस्या-समाधान,डिजिटल साक्षरता,रचनात्मकता, अनुकूलन क्षमता, तकनीकी दक्षता और ज्ञान को वास्तविक परिस्थितियों में लागू करने की क्षमता की आवश्यकता होती है। किसी विद्यार्थी के पास उत्कृष्ट शैक्षणिक योग्यता हो सकती है,लेकिन नौकरी के लिए तैयार होने से पहले उसे अतिरिक्त प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ सकती है। इसका अर्थ यह नहीं कि अकादमिक शिक्षा बेकार है। इसका अर्थ यह है कि शिक्षा को व्यावहारिक कौशल और वास्तविक जीवन के अनुभवों से अधिक निकटता से जोड़ने की आवश्यकता है।

रोजगार की बदलती दुनिया

तकनीक रोजगार के क्षेत्र को तेजी से बदल रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,ऑटोमेशन,रोबोटिक्स,डिजिटल प्लेटफॉर्म और नए व्यावसायिक मॉडल नौकरियों की प्रकृति और आवश्यक कौशलों को बदल रहे हैं। कुछ पारंपरिक नौकरियां कम हो

सकती हैं,जबकि नए प्रकार के व्यवसाय और रोजगार सामने आ सकते हैं। इसलिए शिक्षा व्यवस्था भी स्थिर नहीं रह सकती। युवाओं को अपने पूरे कार्यजीवन में लगातार सीखने के अवसर मिलने चाहिए। भविष्य का कर्मचारी सीखने, पुरानी बातों को छोड़ने और नई चीजें सीखने के लिए तैयार होना चाहिए। बीस वर्ष की उम्र में हासिल की गई एक योग्यता पूरे करियर के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती।

उद्यमिता भी समाधान का हिस्सा

रोजगार की चर्चा अक्सर केवल नौकरी पाने तक सीमित रहती है। लेकिन एक मजबूत अर्थव्यवस्था को ऐसे लोगों की भी आवश्यकता होती है जो व्यवसाय,सेवाएं और रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकें। उद्यमिता शिक्षा युवाओं को स्थानीय समस्याओं की पहचान करके उनके समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। छोटे व्यवसाय,स्टार्टअप,सामाजिक उद्यम,कृषि आधारित व्यवसाय,डिजिटल सेवाएं और कौशल आधारित व्यवसाय रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

हालांकि,उद्यमिता को बेरोजगारी से बचने का आसान रास्ता नहीं समझना चाहिए। व्यवसाय शुरू करने के लिए कौशल, वित्तीय सहायता, बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन, बाजार और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण आवश्यक है।

ग्रामीण रोजगार पर भी ध्यान जरूरी

बेरोजगारी को केवल शहरी शिक्षित युवाओं के दृष्टिकोण से नहीं समझा जा सकता। ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार की अपनी चुनौतियां हैं।बहुत से युवा गांवों को इसलिए छोड़ते हैं क्योंकि उन्हें स्थानीय स्तर पर सीमित अवसर दिखाई देते हैं। इससे शहरों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक क्षमता भी प्रभावित होती है।

आधुनिक कृषि,खाद्य प्रसंस्करण,डेयरी, नवीकरणीय ऊर्जा,पर्यटन,हस्तशिल्प,डिजिटल सेवाएं और ग्रामीण उद्यम बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षण और बाजार की सहायता से रोजगार के सार्थक अवसर पैदा कर सकते हैं। उद्देश्य केवल युवाओं को गांवों से शहरों की ओर ले जाना नहीं होना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में और उनके आसपास ही उत्पादक रोजगार के अवसर पैदा करना भी आवश्यक है।

शिक्षा को अधिक लचीला बनाने की जरूरत

शिक्षा व्यवस्था को विद्यार्थियों को सफलता की एक ही परिभाषा की ओर धकेलने के बजाय विभिन्न करियर मार्गों के लिए तैयार करना चाहिए।

व्यावसायिक शिक्षा,अप्रेंटिसशिप, इंटर्नशिप, कौशल आधारित पाठ्यक्रम,डिजिटल शिक्षा और उद्योग से जुड़े कार्यक्रमों को अधिक महत्व मिलना चाहिए। विद्यार्थियों को अकादमिक शिक्षा के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के अवसर भी मिलने चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में संचार, वित्तीय साक्षरता,टीमवर्क,आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता और समस्या-समाधान जैसे कौशल विकसित करने के अवसर मिलने चाहिए।

करियर मार्गदर्शन भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बहुत से विद्यार्थी अपनी रुचि,क्षमता और विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाओं को समझने के बजाय सामाजिक दबाव के कारण पाठ्यक्रम चुनते हैं।

सरकार की भूमिका

बेरोजगारी से निपटने में सरकार की केंद्रीय भूमिका है। शिक्षा नीति के साथ आर्थिक और रोजगार नीतियों का होना भी आवश्यक है।

रोजगार सृजन के लिए निवेश,बुनियादी ढांचा, औद्योगिक विकास,उद्यमिता,कृषि,सेवाएं,व्यापार और नवाचार महत्वपूर्ण हैं। एक मजबूत शिक्षा व्यवस्था सक्षम कार्यबल तैयार कर सकती है, लेकिन वह गतिशील अर्थव्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकती।

सरकारों को श्रम बाजार से संबंधित विश्वसनीय जानकारी भी एकत्र करनी चाहिए,ताकि शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम बदलती मांग के अनुरूप तैयार किए जा सकें। यदि शिक्षण संस्थान सीमित अवसरों वाले क्षेत्रों में लगातार अधिक स्नातक तैयार करते रहें और उभरते क्षेत्रों में कुशल लोगों की कमी बनी रहे,तो यह असंतुलन जारी रहेगा।

उद्योग की भूमिका

नियोक्ताओं की भी अपनी जिम्मेदारी है। उद्योगों को शिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर काम करना चाहिए और यह बताना चाहिए कि उन्हें वास्तव में किन कौशलों की आवश्यकता है।

इंटर्नशिप,अप्रेंटिसशिप,व्यावहारिक परियोजनाएं और उद्योग का अनुभव विद्यार्थियों को स्नातक होने से पहले कार्यस्थल की आवश्यकताओं को समझने में मदद कर सकते हैं। कंपनियां पाठ्यक्रम निर्माण और कौशल प्रशिक्षण में भी योगदान दे सकती हैं।

शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत साझेदारी कक्षा और कार्यस्थल के बीच की दूरी को कम कर सकती है।

सफलता की परिभाषा पर पुनर्विचार

समाज को भी काम के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता है।किसी काम को केवल इसलिए सम्मानजनक नहीं माना जाना चाहिए क्योंकि उससे कोई प्रतिष्ठित पद जुड़ा हुआ है। कुशल तकनीशियन, इलेक्ट्रीशियन,मैकेनिक, डिजाइनर, स्वास्थ्यकर्मी, किसान,उद्यमी, कारीगर और अनेक अन्य पेशेवर समाज में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। जब युवाओं को विभिन्न प्रकार के उत्पादक कार्यों का सम्मान करना सिखाया जाता है, तो रोजगार के विकल्प भी व्यापक होते हैं।कुछ ही प्रतिष्ठित करियर के प्रति अत्यधिक आकर्षण अनावश्यक प्रतिस्पर्धा और निराशा पैदा कर सकता है

नजूल जमीन प्रकरण में सहायक ग्रेड-2 अजय तिवारी पदावनत

विभागीय जांच में आरोप प्रमाणित,निलंबन से बहाली के साथ अब सहायक ग्रेड-3,मैनपाट तहसील कार्यालय में मिली पदस्थापना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

शहर की बेशकीमती शासकीय नजूल भूमि को निजी व्यक्तियों के नाम दर्ज किए जाने से जुड़े चर्चित प्रकरण में जिला कार्यालय की नजूल शाखा के तत्कालीन सहायक ग्रेड-2 अजय कुमार तिवारी पर विभागीय कार्रवाई की गई है। विभागीय जांच में आरोप प्रमाणित पाए जाने के बाद उन्हें मुख्य शास्ति के तहत सहायक ग्रेड-2 से सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदावनत कर दिया गया है। साथ ही उन्हें निलंबन से बहाल करते हुए तहसील कार्यालय मैनपाट में पदस्थ किया गया है। कार्रवाई को महज स्थानांतरण या निलंबन की समाप्ति के रूप में नहीं देखा जा सकता,क्योंकि आदेश में विभागीय जांच के बाद उनके विरुद्ध आरोप प्रमाणित होने का उल्लेख है। खास बात यह है कि पदावनति के साथ उनके वेतनमान में भी कमी की गई है।

करोड़ों की सरकारी जमीन से जुड़ा था मामला

अजय तिवारी के खिलाफ कार्रवाई उस पूरे नजूल भूमि प्रकरण से जुड़ी है,जिसमें अंबिकापुर के नमनाकला स्थित खसरा नंबर 243/1 की करीब 1.710 हेक्टेयर यानी लगभग 4.22 एकड़ शासकीय नजूल भूमि को निजी व्यक्ति बंसु पिता भुटकुल के नाम दर्ज किए जाने का मामला सामने आया था। पूर्व में हुई जांच में आरोप सामने आया था कि शासकीय भूमि के नामांतरण में राजस्व नियमों और निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। बाद में इस भूमि को निजी मद में दर्ज किए जाने और उसके बाद बिक्री किए जाने का मामला पुलिस जांच तक पहुंचा। उपलब्ध न्यायिक रिकॉर्ड में भी अजय कुमार तिवारी के विरुद्ध लगाए गए विभागीय आरोपों में इसी नामांतरण प्रक्रिया का उल्लेख है। उल्लेखनीय है कि इसी मामले में तत्कालीन नजूल अधिकारी,नजूल शाखा के रीडर अजय तिवारी और राजस्व निरीक्षकों सहित अन्य लोगों के खिलाफ 11 मार्च 2024 को गांधीनगर थाने में आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471 और 120-बी के तहत अपराध दर्ज किया गया था।

सवाल सिर्फ एक कर्मचारी पर नहीं,पूरी प्रक्रिया पर...

इस प्रकरण की गंभीरता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि मामला किसी सामान्य निजी भूमि विवाद का नहीं,बल्कि शासकीय नजूल भूमि के रिकॉर्ड में बदलाव से जुड़ा था। सवाल यह है कि जिस जमीन का रिकॉर्ड सरकारी था,वह निजी व्यक्ति के नाम तक पहुंची कैसे? विभागीय जांच में अजय तिवारी की भूमिका को लेकर आरोप प्रमाणित होना राजस्व रिकॉर्ड की उस पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़ा करता है,जिसमें आवेदन से लेकर दस्तावेजों की जांच,नस्ती तैयार करने और नामांतरण आदेश तक कई स्तर शामिल होते हैं। अंबिकापुर के नमनाकला मामले में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार,जांच में तत्कालीन नजूल अधिकारी नीलम टोप्पो,नजूल लिपिक अजय तिवारी तथा राजस्व निरीक्षकों की भूमिका का उल्लेख किया गया था। पुलिस ने इसी आधार पर मामला दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई थी। जिस आदेश पर जमीन निजी नाम हुई, उसे बाद में निरस्त करना पड़ा मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि विवादित 1.710 हेक्टेयर भूमि को निजी व्यक्ति के नाम दर्ज करने वाला 7 अक्टूबर 2022 का आदेश बाद में निरस्त कर दिया गया। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार, 28 मार्च 2024 को भूमि को फिर से शासकीय नजूल मद में दर्ज करने का आदेश हुआ और उसे स्वास्थ्य विभाग,महिला एवं बाल विकास विभाग,न्यायालय, पुलिस विभाग तथा नगर निगम जैसे सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए। यानी जिस जमीन को रिकॉर्ड में निजी नाम तक पहुंचा दिया गया था, प्रशासनिक कार्रवाई के बाद वही जमीन फिर सरकारी रिकॉर्ड में वापस आई। यही तथ्य इस पूरे मामले की गंभीरता को रेखांकित करता है।

विभागीय जांच में नहीं माना गया जवाब

अजय तिवारी को निलंबन के बाद आरोप पत्र जारी कर जवाब देने का अवसर दिया गया था। निर्धारित अवधि में जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने के बाद छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 14 के तहत नियमित विभागीय जांच शुरू की गई। जांच अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में आरोपों को प्रमाणित माना। इसके बाद अजय तिवारी द्वारा जांच प्रतिवेदन पर प्रस्तुत जवाब को भी विभाग ने संतोषजनक नहीं माना। विभाग ने उनके कृत्य को कर्तव्य में लापरवाही,स्वेच्छाचारिता और अनुशासनहीनता से जोड़ते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन माना। मीडिया में प्रकाशित विभागीय कार्रवाई संबंधी विवरण में भी उनके विरुद्ध आरोपों के प्रमाणित होने और अनधिकृत अनुपस्थिति को कार्रवाई का आधार बताया गया है।

वेतन में भी बड़ी कटौती

पदावनति के साथ अजय तिवारी के वेतनमान में भी कमी की गई है। सहायक ग्रेड-2 के रूप में उनका वेतनमान 5200-20200,ग्रेड पे2400,मैट्रिक्स लेवल-6/10 था, जिसे पदावनति के बाद 5200-20200, ग्रेड पे 1900,मैट्रिक्स लेवल-4/01 निर्धारित किया गया है। निलंबन से बहाली के बाद उन्हें तहसील कार्यालय मैनपाट,जिला सरगुजा में पदस्थ किया गया है। निलंबन अवधि को केवल सेवानिवृत्ति हितलाभ अथवा स्वत्वों के लिए सेवा अवधि माना गया है और उस दौरान प्राप्त वेतन को जीवन निर्वाह भत्ते तक सीमित किया गया है।

इयूटी से गैरहाजिरी भी बनी कार्रवाई का आधार

नजूल प्रकरण के बीच अजय तिवारी को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) धौरपुर कार्यालय में कार्य करने के लिए आदेशित किया गया था। इसके बाद वे बिना अनुमति कर्तव्य से अनुपस्थित पाए गए। इसी आधार पर 28 मार्च 2024 को उन्हें निलंबित कर उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय उदयपुर निर्धारित किया गया था। विभागीय जांच में भूमि प्रकरण से जुड़े आरोपों के साथ उनकी अनधिकृत अनुपस्थिति को भी गंभीरता से लिया गया।

नजूल जमीन पर फिर बड़ा सवाल–रिकॉर्ड में सेंध आखिर कितनी आसान?

अंबिकापुर में नजूल भूमि से जुड़े इस प्रकरण ने एक बार फिर राजस्व रिकॉर्ड की सुरक्षा और नामांतरण प्रक्रिया की निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकारी जमीन किसी निजी व्यक्ति के नाम दर्ज होने के बाद उसे बेचने तक की स्थिति बन जाना केवल एक कर्मचारी की गलती मानकर समाप्त कर देने वाला विषय नहीं है। बड़ा सवाल यह है कि एक सरकारी जमीन के निजी नाम पर दर्ज होने से पहले रिकॉर्ड की जांच करने वाली पूरी व्यवस्था ने क्या किया? आवेदन से लेकर नस्ती और आदेश तक जिन-जिन स्तरों से फाइल गुजरती है, वहां निगरानी की जिम्मेदारी किसकी थी? मामले में पुलिस जांच और विभागीय कार्रवाई अलग-अलग स्तर पर चलती रही है। इसलिए अंतिम आपराधिक जिम्मेदारी न्यायिक प्रक्रिया में तय होगी। लेकिन विभागीय जांच में अजय तिवारी के खिलाफ आरोप प्रमाणित होने और अब पदावनति किए जाने से यह जरूर स्पष्ट है कि प्रशासन ने उनकी भूमिका को गंभीर अनुशासनात्मक उल्लंघन माना है। सरकारी जमीन को निजी नाम तक पहुंचाने वाले तंत्र की पूरी कड़ी सामने आएगी या कार्रवाई सिर्फ कुछ कर्मचारियों तक सीमित रह जाएगी—यह सवाल अब भी इस पूरे नजूल प्रकरण का सबसे बड़ा प्रश्न बना हुआ है।

भोलेनाथ को जल चढ़ाने से पहले किशोर की हादसे में मौत

सावन के आखिरी सोमवार को कैलाश गुफा में जल चढ़ाने जा रहे थे बाइक से दो किशोर,कार ने मारी टक्कर...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

सावन के आखिरी सोमवार को भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाने कैलाश गुफा जा रहे दो किशोर रविवार शाम सडक़ हादसे का शिकार हो गए। बतौली थाना क्षेत्र के बगीचा मार्ग पर ग्राम बिलासपुर के पास तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। यहां डॉक्टरों ने 15 वर्षीय राहुल बिंझिया को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसके साथी सुनील का इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नुनेरा निवासी 15 वर्षीय राहुल बिंझिया पिता सुरेंद्र बिंझिया अपने दोस्त ग्राम करौटी के खुटरापारा निवासी सुनील के साथ रविवार को बाइक से कैलाश गुफा के लिए निकला था। दोनों सावन के आखिरी सोमवार को भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाने वाले थे। शाम करीब 6 बजे वे बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम बिलासपुर के पास बगीचा मार्ग पर पहुंचे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार कार क्रमांक सीजी 15 डीवी 0588 ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सडक़ पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों को शांतिपारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बतौली पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर दोनों को अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जांच के बाद डॉक्टरों ने राहुल को मृत घोषित कर दिया।

25 अगस्त को था जन्मदिन,घर में मातम : राहुल का जन्मदिन 25 अगस्त को था। उसने सोचा था कि सोमवार को भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाने के बाद अगले दिन अपना जन्मदिन धूमधाम से मनाएगा, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। जन्मदिन की खुशियों से ठीक पहले हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। राहुल की मौत की खबर मिलते ही माता-पिता समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर, पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया। हादसे के बाद बतौली पुलिस ने कार जब्त कर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दादी प्रकाशमणि की स्मृति में रक्तदान शिविर,60 यूनिट रक्त संग्रहित

80 लोगों ने कराया पंजीयन,63 वर्षीय अजय तिवारी ने 111 वीं बार रक्तदान कर पेश की मिसाल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि जी की 19वीं पुण्यतिथि को विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाते हुए ब्रह्माकुमारीज अंबिकापुर सेवा केंद्र नव विश्व भवन, चोपड़ापारा में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। भारत और नेपाल में 21 से 25 अगस्त तक चल रहे रक्तदान अभियान के तहत 23 अगस्त को आयोजित इस शिविर में 80 लोगों ने पंजीयन कराया और 60 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर निगम अंबिकापुर की महापौर मंजूषा भगत, डॉ. शैलेंद्र गुप्ता,डॉ. रोशनी,वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी,मंगल पांडेय,अनिल कुमार मिश्रा और ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी विद्या दीदी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

'किसी का जीवन बचाना सबसे बड़ा योगदान' : महापौर मंजूषा भगत ने दादी प्रकाशमणि जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि कई बार समय पर रक्त उपलब्ध नहीं होने से मरीजों की जान खतरे में पड़ जाती है। ऐसे में रक्तदान किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने इस मानवीय पहल के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्थान की सराहना की। सेवा केंद्र की संचालिका बीके विद्या दीदी ने कहा कि दादी प्रकाशमणि जी का जीवन विश्व कल्याण,शांति और सर्व की सेवा के लिए समर्पित रहा। उनके विचारों को आगे बढ़ाते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति को रक्त देकर उसके जीवन में आशा जगाना दादी जी के सेवा भाव को सच्ची श्रद्धांजलि है।

देशभर में एक लाख यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य : बीके विद्या दीदी ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा इस महाअभियान के अंतर्गत एक लाख यूनिट रक्त संग्रहित करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान का उद्देश्य रक्त की जरूरत वाले मरीजों के लिए उपलब्धता बढ़ाने के साथ लोगों को नियमित रक्तदान के प्रति जागरूक करना है।

पुलिस,समाजसेवियों और विभिन्न वर्गों की सहभागिता : शिविर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा अमोलक सिंह ढिल्लो, एसडीओपी राकेश बघेल, वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश प्रसाद जायसवाल,पशुधन विकास विभाग के अतिरिक्त उपसंचालक डॉ. सीके मिश्रा,सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी उमेश कुशवाहा,वरिष्ठ शिक्षक लल्लू भाई,युवा समाजसेवी अनिल कुमार मिश्रा, प्रकाश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ब्रह्माकुमारीज भाई-बहन और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने रक्तदान किया। शिविर में 50 वर्ष से अधिक आयु के कई लोगों ने भी रक्तदान किया,जो अन्य लोगों के लिए प्रेरणादायक रहा।

63 वर्षीय अजय तिवारी ने 111 वीं बार किया रक्तदान

शिविर में वरिष्ठ समाजसेवी 63 वर्षीय अजय तिवारी विशेष आकर्षण रहे। उन्होंने अपने जीवन में पहले 110 बार रक्तदान किया था और इस शिविर में 111वीं बार रक्तदान कर मिसाल कायम की। उनके इस योगदान ने खासकर उम्रदराज लोगों को लेकर बनी रक्तदान संबंधी भ्रांतियों को दूर करने का संदेश दिया। अजय तिवारी ने लोगों से स्वस्थ रहते हुए नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की।

डॉक्टरों ने बताए रक्तदान के फायदे

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की डॉ. रोशनी ने रक्तदान के महत्व और इसके लाभों की जानकारी दी। उन्होंने स्वस्थ व पात्र लोगों से रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की और कहा कि रक्तदान जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. शैलेंद्र गुप्ता, जिला क्षय रोग अधिकारी एवं नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ, ने भी रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए अधिक से अधिक लोगों को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ समाजसेवी मंगल पांडेय ने कहा कि रक्तदान की शुरुआत अपने परिवार और परिचितों को प्रेरित करने से की जानी चाहिए। वहीं अजय तिवारी और अनिल कुमार मिश्रा ने भी उपस्थित लोगों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया।

रक्तदाताओं को मिला सम्मान : रक्तदान करने वाले लोगों को ब्रह्माकुमारीज की ओर से प्रमाण पत्र एवं ईश्वरीय सौगात तथा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी, वरिष्ठ समाजसेविका वंदना दत्ता,एसडीओपी प्रतापपुर महालक्ष्मी कुलदीप, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. बीडी साहू एवं डॉ. ज्योति साहू सहित अन्य लोगों ने दादी प्रकाशमणि जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल की टीम ने रक्त संग्रहण किया। टीम में चिकित्सकों के साथ काउंसलर अंजुला मिश्रा, स्टाफ नर्स रीता थॉमस, जिला लैब टेक्नीशियन हरिहर सिंह, लैब टेक्नीशियन संध्या सिंह, ग्लोरिया तिर्की एवं संगीता पैकरा शामिल रहीं। 60 यूनिट रक्त संग्रह के साथ संपन्न हुआ यह शिविर सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदना का संदेश दे गया।

महामाया रोड पर पिकअप की टक्कर से 14 वर्षीय छात्र की मौत

स्कूटी से दोस्त के साथ अंबिकापुर आया था अक्षत, इंद्रवाटिका के पास हादसा,साथी को मामूली चोट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

महामाया रोड पर सोमवार दोपहर सडक़ हादसे में 14 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम खाला निवासी अक्षत सिंह अपने एक अन्य किशोर साथी के साथ स्कूटी से अंबिकापुर आया था। इंद्रवाटिका के पास अज्ञात पिकअप ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में अक्षत गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं उसके साथी को मामूली चोट आई है। जानकारी के अनुसार अक्षत सिंह पिता अजय सिंह (14) शहर के मोंटफोर्ट स्कूल में पढ़ाई करता था। सोमवार दोपहर वह एक अन्य किशोर के साथ स्कूटी से अंबिकापुर आया था। दोनों महामाया रोड स्थित इंद्रवाटिका के पास पहुंचे थे। इसी दौरान अज्ञात पिकअप वाहन ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद अक्षत सडक़ पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों की मदद से उसे उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने जांच के दौरान अक्षत को मृत घोषित कर दिया। हादसे में उसके साथी को मामूली चोट आई है। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

टीईटी अपात्र शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जारी नहीं होने पर शिक्षक कल्याण संघ ने दिया अंतिम अल्टीमेटम

पदोन्नति प्रक्रिया में देरी से शिक्षकों में आक्रोश,मांग पूरी नहीं होने पर संभाग स्तर पर आंदोलन की चेतावनी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

टीईटी अर्हता सहित वरिष्ठता सूची जारी कर शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया समय-सीमा में पूरी करने की मांग को लेकर टीईटी उत्तीर्ण शिक्षक कल्याण संघ छत्तीसगढ़ ने सरगुजा संभाग के संयुक्त संचालक,लोक शिक्षण संभाग को अंतिम अल्टीमेटम दिया है। संघ ने चेतावनी दी है कि मांगों का निराकरण नहीं होने पर संभाग स्तर पर उग्र आंदोलन और धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश मिश्रा ने 24 अगस्त को संयुक्त संचालक को दिए पत्र में कहा है कि संगठन की ओर से 14 जुलाई, 11 अगस्त और 20 अगस्त को ज्ञापन सौंपकर पदोन्नति प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने की मांग की जा चुकी है। 10 अगस्त को दिए गए निर्देश के अनुसार पदोन्नति प्रक्रिया 15 अगस्त तक पूर्ण किया जाना था।

इसके बावजूद बार-बार ध्यानाकर्षण और मांग पत्र सौंपे जाने के बाद भी टीईटी अर्हता दर्शाने वाली अंतिम वरिष्ठता सूची का प्रकाशन नहीं किया गया है। संघ का आरोप है कि इसके कारण पदोन्नति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है। संघ ने विभाग से मांग की है कि अंतिम वरिष्ठता सूची तत्काल जारी की जाए और पदोन्नति प्रस्ताव तैयार किया जाए।

साथ ही पूरी प्रक्रिया की समय-सारणी सार्वजनिक करने की मांग की गई है, जिसमें डीपीसी की तिथि, पदोन्नति आदेश जारी करने की तिथि और काउंसिलिंग की तिथि स्पष्ट हो। संघ ने 6 अगस्त को जारी स्थानांतरण आदेशों के फलस्वरूप रिक्त हुए पदों को भी पदोन्नति गणना में शामिल करने तथा इसकी शालावार जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है। संघ का कहना है कि विभागीय स्तर पर हो रही देरी और लापरवाही से शिक्षकों में भारी आक्रोश है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि मांगों का निराकरण करते हुए वरिष्ठता सूची जारी नहीं की गई और निर्धारित समय तक पदोन्नति आदेश जारी नहीं किए गए तो संघ संभाग स्तर पर उग्र आंदोलन और धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा।

शराब के नशे में गर्भवती पत्नी से मारपीट, घर से निकाला

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

शराब के नशे में पति द्वारा गर्भवती पत्नी से मारपीट कर घर से बाहर निकालने का मामला सामने आया है। महिला ने लुण्ड्रा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार महिमा पाण्डेय लुण्ड्रा थाना क्षेत्र की रहने वाली है। इसकी शादी वर्ष 2009 में बरगीडीह निवासी राजकुमार पाण्डेय से सामाजिक रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। उनकी दो बेटियां हैं। महिला के अनुसार शादी के एक-दो साल बाद पति शराब पीकर आए दिन विवाद और मारपीट करने लगा। इससे परेशान होकर उसने भरण-पोषण के लिए न्यायालय में प्रकरण भी लगाया था। बाद में पति द्वारा दोबारा गलती नहीं करने की बात कहते हुए माफी मांगने पर दोनों के बीच समझौता हो गया था। महिला का आरोप है कि पिछले कुछ दिनों से पति लगातार शराब के नशे में घर आकर गाली-गलौज और धमकी दे रहा है। 23 अगस्त की सुबह करीब 7 से 8 बजे के बीच पति ने उसके साथ धक्का-मुक्की की। इसके बाद घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद उसे जमीन पर पटककर घसीटा तथा हाथ-मुक्के से मारपीट की। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि पति आए दिन उसके चरित्र पर संदेह कर दूसरे व्यक्ति से संबंध होने की बात कहकर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है।

CMYK

निशा की मौत पर पुलिस का शिकंजा: पति-सास-ससुर गिरफ्तार, देवर फरार

दहेज प्रताड़ना, मारपीट और पैसों की मांग के गंभीर आरोपों के बाद कार्रवाई

मृतका - निशा जायसवाल
(उम्र लगभग 30 वर्ष)

- 8 अगस्त को फांसी पर मिला था निशा का शव
- मायके पक्ष ने दहेज प्रताड़ना और मारपीट के लगाए थे आरोप
- 6 अगस्त को मां को फोन कर बताई थी आपबीती
- दो छोटी बच्चियां छोड़ गई पीछे

गिरफ्तार आरोपी
(पति) नीरज जायसवाल, (सास) शेष कुमारी जायसवाल
(ससुर) सुरेश जायसवाल

देवर फरार
निलेश कुमार जायसवाल
पुलिस कर रही तलाश

- थाना मनेंन्द्रगढ़ में अपराध क्रमांक 188/2026 दर्ज
- धारा 80(2)/3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई
- तीनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर भेजा गया जेल

भलौर की विवाहिता की मौत ने खड़े किए थे कई सवाल...मायके पक्ष ने दहेज प्रताड़ना,मारपीट और पैसों की मांग के लगाए थे आरोप...

-संवाददाता-
एमसीबी,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।
भलौर में विवाहिता निशा जायसवाल की मौत का मामला अब पुलिस कार्रवाई के अगले चरण में पहुंच गया है, 8 अगस्त को निशा की मौत के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाते हुए घटना को संदिग्ध बताया था,परिजनों ने दहेज के लिए प्रताड़ना, मारपीट और पैसों की मांग का आरोप लगाते हुए मौत की निष्पक्ष जांच की मांग की थी,अब इस मामले में मनेन्द्रगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मृतका के पति, सास और ससुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है,जबकि उसका देवर निलेश कुमार जायसवाल फरार बताया जा रहा है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है। मामले में थाना मनेन्द्रगढ़ में अपराध क्रमांक 188/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने प्रकरण में धारा 80(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत कार्रवाई की है,गिरफ्तार आरोपियों में मृतका का पति नीरज जायसवाल,ससुर सुरेश जायसवाल और सास शेष कुमारी जायसवाल शामिल हैं,वहीं देवर निलेश कुमार जायसवाल की गिरफ्तारी अभी बाकी है।

मौत के बाद सामने आए थे कई गंभीर सवाल-निशा की मौत के बाद घटनास्थल और उसके शरीर पर दिखाई देने वाले कथित निशानों को लेकर मायके पक्ष ने कई सवाल उठाए थे,परिवार का कहना था कि निशा की मौत को महज आत्महत्या मानकर मामले को समाप्त नहीं किया जाना चाहिए,बल्कि उसकी वैवाहिक जिंदगी,कथित प्रताड़ना और मौत से पहले की परिस्थितियों की भी गहराई से जांच होनी चाहिए,मायके पक्ष ने मृतका के शरीर पर चोट के निशान होने का दावा किया था। परिजनों का कहना था कि पीठ सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर ऐसे निशान दिखाई दिए,जिन्हें लेकर उन्हें मारपीट की आशंका है,गले पर निशान और घटनास्थल की परिस्थितियों को लेकर भी परिवार ने सवाल उठाए थे, हालांकि इन सभी बिंदुओं पर अंतिम निष्कर्ष पुलिस जांच,

पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर ही निकाला जा सकता है।

शादी के बाद से प्रताड़ना का आरोप-मृतका के भाई विवेक जायसवाल के मुताबिक निशा की शादी करीब पांच वर्ष पहले नीरज जायसवाल के साथ हुई थी, मायके पक्ष का आरोप है कि शादी के बाद से ही निशा को ससुराल में कथित रूप से प्रताड़ित किया जाता था, परिजनों के अनुसार निशा की दो छोटी बच्चियां हैं,परिवार का आरोप है कि इसके बावजूद उसके साथ मारपीट की जाती थी और दहेज तथा पैसों को लेकर दबाव बनाया जाता था,मायके पक्ष ने पुलिस के सामने इन आरोपों की जांच कराने की मांग की थी,अब तीन ससुराल पक्ष के सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में पुलिस विवेचना की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है।

मौत से दो दिन पहले मां से फोन पर बातचीत का दावा

मामले में एक महत्वपूर्ण कड़ी मृतका की अपनी मां से हुई कथित बातचीत को बताया जा रहा है,मायके पक्ष के अनुसार 6 अगस्त को निशा ने अपनी मां को फोन कर ससुराल में मारपीट की जानकारी दी थी, परिजनों का कहना है कि इस बातचीत के करीब दो दिन बाद उन्हें निशा की मौत की सूचना मिली। यही घटनाक्रम परिवार के संदेह का प्रमुख कारण बना, मायके पक्ष का सवाल था कि यदि घटना से ठीक पहले निशा अपने परिवार को प्रताड़ना की जानकारी दे रही थी, तो उसके बाद ऐसी परिस्थिति कैसे बनी कि उसकी मौत हो गई,अब पुलिस के सामने यह भी महत्वपूर्ण होगा कि घटना से पहले निशा की किस-किस से बातचीत हुई थी और उसके अंतिम दिनों में उसके साथ क्या परिस्थितियां थीं।

पैसों की मांग को लेकर भी लगाए गए आरोप

मायके पक्ष ने पूर्व में आर्थिक विवाद का आरोप भी लगाया था,परिवार का कहना था कि निशा के परिवार को शासन से प्राप्त अनुदान की राशि को लेकर भी ससुराल पक्ष की ओर से कथित रूप से पैसों की मांग की जा रही थी, परिजनों के अनुसार अप्रैल में करीब एक लाख रुपये दिए जाने के बावजूद कथित दबाव समाप्त नहीं हुआ। इन आरोपों की पुष्टि संबंधित दस्तावेजों और जांच के माध्यम से ही हो सकेगी,यदि पुलिस विवेचना में आर्थिक लेन-देन और प्रताड़ना के बीच कोई संबंध सामने आता है तो यह मामले की आगे की जांच में महत्वपूर्ण तथ्य हो सकता है।

घटनास्थल की जांच और पोस्टमार्टम के बाद बढ़ी कार्रवाई-निशा की मौत की सूचना के बाद पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया था, मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया,मायके पक्ष ने घटनास्थल पर शव की स्थिति, फांसी से जुड़े सामान और शरीर पर दिखाई देने वाले निशानों को लेकर सवाल उठाए थे, परिवार का कहना था कि इन सभी पहलुओं की वैज्ञानिक तरीके से जांच होनी चाहिए,अब पुलिस द्वारा तीन आरोपियों की गिरफ्तारी किए जाने के बाद यह माना जा रहा है कि जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है,हालांकि पुलिस की विवेचना अभी पूरी नहीं हुई है और पूरे मामले का अंतिम निष्कर्ष न्यायालयीन प्रक्रिया में साक्ष्यों के आधार पर ही सामने आएगा।

तीन आरोपी जेल में,देवर की तलाश जारी-मनेन्द्रगढ़ पुलिस ने पति नीरज जायसवाल,ससुर सुरेश जायसवाल और सास शेष कुमारी जायसवाल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया,जहां से तीनों को जेल भेजे जाने की जानकारी सामने आई है,दूसरी ओर मृतका का देवर निलेश कुमार जायसवाल फरार बताया जा रहा है, पुलिस उसकी तलाश में जुटी है,उसकी गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में मामले से जुड़े अन्य तथ्यों के सामने आने की संभावना है,फरार आरोपी की भूमिका भी पुलिस जांच का हिस्सा है और यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विवेचना में उसके खिलाफ क्या साक्ष्य सामने आते हैं।

चार आरोपियों पर कार्रवाई,लेकिन जांच के सवाल अभी बाकी-इस मामले में तीन गिरफ्तारियां होने के बाद पुलिस की कार्रवाई ने निश्चित रूप से मामले को नया मोड़ दिया है,लेकिन इससे यह नहीं माना जा सकता कि मौत की वास्तविक परिस्थितियां पूरी तरह स्पष्ट हो गई हैं, गिरफ्तारी किसी आरोप की अंतिम न्यायिक पुष्टि नहीं होती,अदालत में अभियोजन को उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोप सिद्ध करने होंगे,इसलिए मामले में पुलिस की विवेचना, मेडिकल रिपोर्ट,फॉरेंसिक साक्ष्य, गवाहों के बयान और अन्य दस्तावेज महत्वपूर्ण रहेंगे, विशेष रूप से यह पता लगाना जरूरी होगा कि निशा की मौत से पहले उसके साथ वास्तव में क्या हुआ था और मायके पक्ष द्वारा लगाए गए प्रताड़ना एवं मारपीट के आरोपों की पुष्टि किस हद तक होती है।

मीडिया में लगातार उठता रहा मामला- निशा की मौत के बाद मायके पक्ष ने न्याय की मांग उठाई थी, स्थानीय स्तर पर मामले को लेकर चर्चा हुई और पत्रकारों ने भी परिवार द्वारा लगाए गए आरोपों तथा घटनाक्रम को खबरों के माध्यम से सामने रखा,लगातार उठ रहे सवालों के बीच अब पुलिस की कार्रवाई सामने आने से मामले ने एक नया चरण शुरू किया है,हालांकि पुलिस की ओर से जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि घटना की पूरी कड़ी क्या थी और प्रत्येक आरोपी की भूमिका क्या रही।

परिवार को अब न्यायिक जांच के नतीजे का इंतजार-निशा की मौत के बाद उसकी दो छोटी बच्चियां और मायके पक्ष अब न्याय की उम्मीद लगाए हुए हैं, परिवार की मांग है कि घटना की प्रत्येक कड़ी की निष्पक्ष जांच की जाए और यदि किसी व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई हो, फिलहाल पति,सास और ससुर की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने मामले में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है,लेकिन देवर की गिरफ्तारी और विवेचना की अगली कार्रवाई अभी बाकी है,निशा की मौत के मामले में अब सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि क्या पुलिस जांच मायके पक्ष द्वारा लगाए गए प्रताड़ना और मारपीट के आरोपों की पुष्टि तक पहुंचती है और मौत की वास्तविक परिस्थितियां क्या थीं? इसका जवाब जांच पूरी होने और न्यायालय में साक्ष्यों के परीक्षण के बाद ही स्पष्ट होगा, फिलहाल तीन आरोपी जेल में हैं, एक आरोपी फरार है और मामले की जांच जारी है।

मां से मिलने जा रहे सीआरपीएफ जवान की सड़क हादसे में मौत

छुट्टी पर पत्नी के पास आया था जवान,पैतृक गांव जाते समय बोलेरो ने मारी टक्कर,अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान तोड़ा दम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।
छुट्टी पर घर आए सीआरपीएफ जवान की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह स्कूटी से अपनी मां से मिलने पैतृक गांव जा रहा था। इसी दौरान जशपुर जिले के ग्राम टेम्पू के पास सामने से आ रही बोलेरो ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल जवान को उपचार के लिए पहले मनोरा,फिर जशपुर और बाद में अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया,जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सन्ना क्षेत्र निवासी 45 वर्षीय फ्रेड्रिक जॉन एक्का पिता स्व. बरलोलिन एक्का सीआरपीएफ में पदस्थ थे। उनकी पदस्थापना इंफाल, मणिपुर में थी। कुछ दिन पूर्व वह छुट्टी लेकर मनोरा, जशपुर स्थित अपनी पत्नी के पास आए थे। उनकी पत्नी शिक्षिका हैं। 23 अगस्त को फ्रेड्रिक जॉन एक्का स्कूटी से अपनी मां से मिलने पैतृक गांव घसमा, चौकी सोनक्यारी, थाना सन्ना जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम टेम्पू के पास सामने से आ रही बोलेरो क्रमांक सीजी 04 एचएम 8746 के चालक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद बोलेरो चालक ने घायल जवान को पिकअप वाहन से उपचार के लिए मनोरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जशपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे की सूचना मिलने पर उनकी पत्नी जशपुर अस्पताल पहुंचीं। यहां भी डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने पर उन्हें अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उपचार के दौरान फ्रेड्रिक जॉन एक्का ने दम तोड़ दिया। जवान की मौत की खबर से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

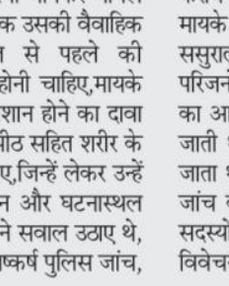

सावन के अंतिम सोमवार को देवगढ़-महेशपुर में उमड़ा आस्था का सैलाब

हजारों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक,सुबह से मंदिरों में लगी कतारें...महेशपुर के प्राचीन गणेश मंदिर में भी उमड़ी भक्तों की भीड़

-संवाददाता-
उदयपुर,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।
सावन के अंतिम सोमवार को सरगुजा जिले के प्रमुख शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। उदयपुर क्षेत्र के देवगढ़ और महेशपुर स्थित महादेव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। दूर-दराज के गांवों से पहुंचे भक्तों ने कतार में लगकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा। सावन के अंतिम सोमवार को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही

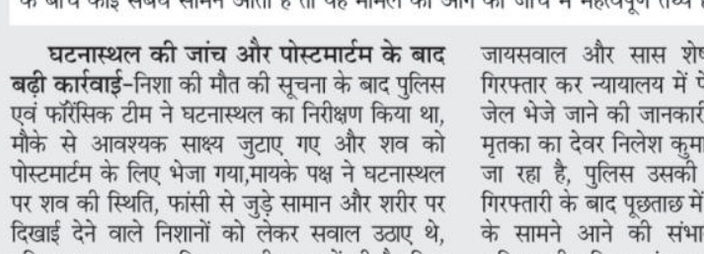

मंदिरों में दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कई भक्त पैदल और कांवड़ लेकर भी मंदिर पहुंचे। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित कर भगवान भोलेनाथ की आराधना की। पूजा-अर्चना के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिभाव और उत्साह का माहौल बना रहा। महेशपुर महादेव मंदिर से करीब 500 मीटर की दूरी पर स्थित भगवान गणेश मंदिर में भी सावन के अंतिम सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

स्थानीय लोगों के अनुसार वर्ष 2021 में यहां भगवान गणेश की मूर्ति मिलने के बाद से यह स्थान लगातार श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्थानीय मान्यता है कि यहां स्थापित गणेश प्रतिमा के आकार में लगातार वृद्धि हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार वर्ष 2021 से ही मंदिर परिसर में दीपक और धुनी निरंतर जल रही है। सावन के अंतिम सोमवार को यहां भी सुबह से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। भक्तों ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना की।

आस्था के साथ प्रशासन ने संभाली व्यवस्था : सावन के अंतिम सोमवार को श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए स्थानीय प्रशासन की ओर से भीड़ प्रबंधन और व्यवस्था बनाए रखने के लिए इंतजाम किए गए थे। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही व्यवस्थित करने के साथ अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। देवगढ़ और महेशपुर में दिनभर भक्तिमय माहौल रहा। शिवालयों में गूंजते हर-हर महादेव के जयघोष और श्रद्धालुओं की भीड़ ने सावन के अंतिम सोमवार को आस्था और श्रद्धा के पर्व में बदल दिया।

होलीक्रॉस वीमेंस कॉलेज में गूंजी सर्वधर्म समभाव की प्रार्थना...छात्राओं ने विभिन्न धर्मग्रंथों का पाठ और भजनों का सामूहिक गायन कर दिया प्रेम,शांति और भाईचारे का संदेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।
होलीक्रॉस वीमेंस कॉलेज में प्राचार्य डॉ. (सिस्टर) शांता जोसेफ की अध्यक्षता में 'सर्वधर्म समभाव प्रार्थना' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में सभी धर्मों के प्रति सम्मान, आपसी सद्भाव, प्रेम, शांति और मानवीय एकता की भावना को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने विभिन्न धर्मों के पवित्र ग्रंथों से पाठ प्रस्तुत किए। इसके साथ ही सभी धर्मों के भजनों का सामूहिक गायन किया गया। महाविद्यालय परिवार ने विश्व शांति, समाज की सुख-समृद्धि और सभी के मंगल की कामना करते हुए सामूहिक प्रार्थना की।

मिलाद-उल-नबी के संदेश से कराया परिचित : कार्यक्रम में मिलाद-उल-नबी के महत्व पर वाणिज्य संकाय की छात्राओं ने प्रकाश डाला। उन्होंने पैगंबर हजरत मोहम्मद के जीवन और उनके द्वारा दिए गए प्रेम, करुणा, भाईचारे एवं मानवता के संदेश को रेखांकित किया। छात्राओं ने बताया कि धार्मिक विविधता के बीच आपसी सम्मान और सद्भाव समाज को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

'विविधता में एकता' का संदेश : कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. (सिस्टर) मंजू टोप्पो, डॉ. (सिस्टर) दिव्या गुलाब एवं सुश्री कविता एक्का ने किया। आयोजन ने छात्राओं को धार्मिक विविधता में एकता, परस्पर सम्मान और सामाजिक सद्भाव जैसे मूल्यों से जोड़ने का संदेश दिया। महाविद्यालय में आयोजित इस प्रार्थना कार्यक्रम ने नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ छात्राओं के बीच सकारात्मक, शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही।

स्कार्पियो वाहन से गाय चोरी,रिपोर्ट दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।
अत्यधिक बारिश के कारण गौशाला में कीचड़ होने पर घर के सामने बांधी जर्सी गाय को स्कार्पियो सवार लोग चोरी कर ले गए। घटना 22 अगस्त की रात करीब 2 बजे की बताई जा रही है। पशुपालक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार मो. बदरे आलम खेती-किसानी का काम करता है और घर में चार जर्सी नस्ल की गाय पाल रखी है। इनमें से एक काले-लाल रंग की जर्सी गाय प्रतिदिन सुबह-शाम करीब 12 लीटर दूध देती थी। 22 अगस्त की रात उक्त गाय घर के सामने बैठी थी। रात करीब 2 बजे स्कार्पियो क्रमांक जेएच 01 एफ 1040 में सवार कुछ लोग वहां पहुंचे और गाय को वाहन में लोड कर चोरी कर ले गए। गाय चोरी होने की जानकारी मिलने पर पीड़ित के पुत्र ने स्कार्पियो का पीछा किया, लेकिन वाहन सवार लोग गाय को लेकर भागने में सफल रहे।

C M Y K

खाते में पैसा दिखा तो 'कैश प्लान' क्यों बना? भैयाथान सहकारी बैंक में समिति की रकम पर उठे सवाल...

समिति का पैसा,कैश का रास्ता और धान का हिसाब–भैयाथान सहकारी बैंक में लेनदेन की पूरी पड़ताल जरूरी

समितियों के खाते में करोड़ों, फिर कैश में निकासी क्यों? भैयाथान सहकारी बैंक पर उठे सवाल...

धान खरीदी केंद्रों पर बैठकें,समितियों से कैश निकासी! भैयाथान बैंक शाखा प्रबंधक की भूमिका पर सवाल...

समिति के पैसे का 'कैश कनेक्शन'! बड़े आहरण से खुली वित्तीय निगरानी की पोल

धान खरीदी के नाम पर समितियों की रकम का खेल? कैश निकासी ने बढ़ाई जांच की मांग...

बैंक खाते से कैश निकला,हिसाब कौन देगा? भैयाथान सहकारी समितियों के लेनदेन पर सवाल...

शिवप्रसाद नगर से शुरू हुआ सवाल,बाकी समितियों तक पहुंची आशंका...कहां जा रहा है कैश?

करोड़ों की समिति राशि और लगातार नकद आहरण...भैयाथान सहकारी बैंक में निगरानी पर बड़ा सवाल...

धान खरीदी का शॉर्टेज या समिति की रकम? कैश निकासी के पीछे,क्या है असली कहानी

समितियों के खाते 'भरे',बैंक शाखा से बाहर 'बैठकें'...भैयाथान में वित्तीय लेनदेन पर सवाल...

कैश निकासी का हिसाब दो! समिति की रकम किस मद में गई,भैयाथान सहकारी बैंक से जवाब की मांग

धान खरीदी केंद्रों में बैठकें और बैंक शाखा से बाहर रहने के आरोप, सवाल...राशि खाते में ट्रांसफर होने के बजाय कैश में क्यों निकली?

-ओंकार पाण्डेय-

शिवप्रसादनगर समिति के स्टेटमेंट ने खड़े किए सवाल...

मामले में शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र से जुड़े बैंक स्टेटमेंट को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं,आरोप है कि समिति के खाते से नकद राशि निकाले जाने की प्रविष्टियां सामने आई,लेकिन राशि किस प्रयोजन के लिए निकाली गई और उसका अंतिम उपयोग कहां हुआ,इसकी स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं होने की बात कही जा रही है,यदि किसी समिति के खाते से बड़ी रकम नकद निकाली जाती है तो सामान्य तौर पर उसके पीछे संबंधित भुगतान का आधार,स्वीकृति, वाउचर,बिल,भुगतान प्राप्तकर्ता और खर्च का मद स्पष्ट होना चाहिए,खासकर सहकारी संस्था की राशि होने के कारण यह देखना जरूरी हो जाता है कि पैसा संस्था के हित में खर्च हुआ या नहीं,यही कारण है कि शिवप्रसाद नगर के स्टेटमेंट के बाद अब अन्य समितियों के बैंक खातों की भी जांच की मांग उठ रही है।

क्या बाकी समितियों में भी हुआ ऐसा आहरण?

सबसे बड़ा सवाल अब यह है कि क्या नकद आहरण का मामला केवल एक समिति तक सीमित है या भैयाथान शाखा से जुड़ी अन्य समितियों के खातों में भी इसी तरह के लेनदेन हुए हैं, बताया जा रहा है कि कुछ समितियों के बचत खातों में बड़ी रकम उपलब्ध है,ऐसे में इन खातों के हालिया लेनदेन की जांच बेहद महत्वपूर्ण हो सकती है,यदि अलग-अलग समितियों में एक जैसे तरीके से बड़ी रकम नकद निकाली गई है तो यह महज संयोग है या किसी सुनियोजित वित्तीय प्रक्रिया का हिस्सा,इसकी पड़ताल जरूरी होगी,जांच में प्रत्येक समिति का बैंक स्टेटमेंट निकालकर यह देखा जा सकता है कि पिछले कुछ समय में कितनी रकम जमा हुई, कितनी निकाली गई,कितनी राशि नकद निकली और कितनी राशि बैंक ट्रांसफर के माध्यम से भुगतान की गई।

'कैश' क्यों? यही सबसे बड़ा सवाल...

आज अधिकांश संस्थागत भुगतान बैंकिंग माध्यम से किए जा सकते हैं,ऐसे में किसी समिति के खाते से बड़ी राशि नकद निकालने की स्थिति में सवाल उठना स्वाभाविक है,यदि मजदूरों की मजदूरी देनी थी तो भुगतान की सूची क्या है? यदि परिवहन का खर्च था तो वाहन मालिकों की सूची और बिल कहां हैं? यदि हम्माली या अन्य खरीदी खर्च था तो उसका मदवार विवरण क्या है? यदि किसी सेवा प्रदाता को भुगतान किया गया तो उसका बैंक खाता या भुगतान रसीद कहां है? और यदि नकद भुगतान वास्तव में किया गया है तो प्रत्येक भुगतानकर्ता की पहचान और प्राप्ति प्रमाण भी जांच का हिस्सा होना चाहिए, कैश आहरण अपने आप में गड़बड़ी का प्रमाण नहीं है,लेकिन बड़ी नकद निकासी का स्पष्ट और दस्तावेजी हिसाब होना जरूरी है।

क्या किसी 'मैनेजमेंट' के लिए समिति का पैसा इस्तेमाल हुआ?

स्थानीय स्तर पर यह सवाल भी उठाया जा रहा है कि कहीं समिति की राशि का उपयोग किसी प्रभावशाली व्यक्ति,अधिकारी या अन्य स्तर पर 'मैनेजमेंट' के लिए तो नहीं किया गया? ऐसे आरोप गंभीर हैं और बिना प्रमाण किसी व्यक्ति पर लगाए नहीं जा सकते। लेकिन यदि समिति के खातों से बड़ी मात्रा में नकद राशि निकली है और उसके उपयोग का स्पष्ट हिसाब नहीं मिलता,तो जांच एजेंसियों के लिए यह बिंदु भी महत्वपूर्ण हो सकता है कि राशि वास्तव में कहां खर्च हुई,इसके लिए केवल समिति प्रबंधक से स्पष्टीकरण लेना पर्याप्त नहीं होगा,नकद निकासी के बाद राशि किसके पास गई, किसे भुगतान हुआ और किस उद्देश्य से भुगतान हुआ—इसकी दस्तावेजी पुष्टि आवश्यक होगी।

भैयाथान/सूरजपुर,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित की भैयाथान शाखा से जुड़ी समितियों के वित्तीय लेनदेन को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं, आरोप है कि धान खरीदी से जुड़ी कुछ समितियों के बचत खातों से बड़ी रकम नकद निकाली गई और इन आहरणों के उद्देश्य तथा उपयोग को लेकर पर्याप्त पारदर्शिता दिखाई नहीं दे रही है,मामला इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि समितियों के वित्तीय लेनदेन की निगरानी में बैंक शाखा की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि समिति के खाते से पैसा निकाला गया या नहीं,बल्कि सवाल यह है कि इतनी बड़ी राशि नकद निकालने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी? यदि किसी संस्था को किसी व्यक्ति, मजदूर, सेवा प्रदाता या अन्य वैध भुगतानकर्ता को राशि देनी थी,तो क्या भुगतान बैंकिंग माध्यम से नहीं किया जा सकता था? यदि नकद भुगतान जरूरी था तो उसके पीछे किस मद का खर्च था,किसके आदेश पर राशि निकाली गई और बाद में उसका हिसाब किस दस्तावेज से किया गया?

शाखा प्रबंधक की भूमिका पर भी सवाल-इस मामले में भैयाथान शाखा के शाखा प्रबंधक श्यामलाल सिंह की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं,आरोप है कि शाखा प्रबंधक का ध्यान बैंक शाखा के नियमित कार्यों की तुलना में धान खरीदी केंद्रों से जुड़े कामकाज पर अधिक दिखाई देता है और वे लगातार खरीदी केंद्रों में बैठकें लेते हैं,हालांकि किसी अधिकारी का समिति या धान खरीदी केंद्र में जाना अपने आप में अनियमितता नहीं है। लेकिन यदि आरोप यह है कि बैठकों में समितियों के खातों में उपलब्ध राशि को निकालने या खर्च करने की रणनीति तैयार होती है,तो इसकी स्वतंत्र जांच आवश्यक है, फिलहाल यह आरोप है,प्रमाणित तथ्य नहीं, इसलिए जांच में बैंक रिकॉर्ड, समिति की बैठक कार्यवाही और भुगतान दस्तावेजों के आधार पर ही यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि वास्तव में कौन किस निर्णय में शामिल था।

बैंक प्रतिनिधि के रूप में निगरानी कितनी हुई?-सहकारी समितियों के बैंकिंग लेनदेन में बैंक शाखा की भूमिका केवल पैसा जमा करने और निकालने तक सीमित नहीं मानी जा सकती,ऐसे मामलों में बैंकिंग प्रक्रिया, अधिकृत हस्ताक्षर,भुगतान के दस्तावेज और खाते के संचालन से जुड़े नियमों का पालन महत्वपूर्ण होता है,इसलिए यदि किसी समिति के खाते से लगातार बड़ी रकम नकद निकाली गई, तो यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या आहरण के दौरान संबंधित दस्तावेजों और भुगतान के उद्देश्य की पर्याप्त जांच की गई? क्या बैंक रिकॉर्ड में आहरण का मद दर्ज था? क्या भुगतान के समर्थन में वाउचर उपलब्ध थे? क्या संबंधित समिति के प्रबंधक या अधिकृत अधिकारी ने राशि निकालने का निर्णय विधिवत लिया था? क्या इतनी बड़ी नकद निकासी सामान्य वित्तीय गतिविधि के अनुरूप थी? इन सवालों का जवाब बैंक और समिति के दस्तावेज ही दे सकते हैं।

धान के शॉर्टेज को 'जीरो' करने के लिए पैसा तो नहीं?-मामले में एक और गंभीर सवाल धान खरीदी के कथित शॉर्टेज से जुड़ा हुआ है,आरोप लगाए जा रहे हैं कि क्या समितियों के बचत खातों में उपलब्ध राशि का इस्तेमाल धान खरीदी के हिसाब-किताब में किसी कमी या शॉर्टेज को समायोजित करने के लिए किया गया? यदि ऐसा हुआ है तो मामला बेहद गंभीर हो सकता है,क्योंकि समिति की राशि का इस्तेमाल उसी उद्देश्य के लिए किया जाना चाहिए जिसके लिए वह उपलब्ध है, हालांकि फिलहाल इस आरोप की पुष्टि नहीं हुई है और इसे जांच का विषय ही माना जाना चाहिए,यदि प्रशासन या बैंक स्तर पर जांच होती है तो धान खरीदी के स्टॉक रजिस्टर,भौतिक सत्यापन, मिलान पत्रक,भुगतान विवरण और समिति के बैंक खातों का एक साथ परीक्षण किया जाना चाहिए, शासन की धान उपार्जन व्यवस्था में खरीदी, स्टॉक और राशि के मिलान से जुड़े रिकॉर्ड का संधारण महत्वपूर्ण है।

जांच हुई तो पांच रिकॉर्ड सबसे महत्वपूर्ण-यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच की जाती है तो पांच स्तर के रिकॉर्ड सबसे महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं,पहला,संबंधित समितियों के बैंक स्टेटमेंट,दूसरा नकद आहरण के वाउचर और भुगतान रसीद,तीसरा,समिति की बैठक कार्यवाही एवं प्रस्ताव, चौथा, धान खरीदी का स्टॉक,शॉर्टेज और मिलान रिकॉर्ड, पांचवां नकद भुगतान प्राप्त करने वाले व्यक्तियों या संस्थाओं का सत्यापन,इन पांचों रिकॉर्ड का आपस में मिलान होने पर काफी हद तक स्पष्ट हो सकता है कि राशि वैध खर्च में गई या नहीं।

भैयाथान शाखा का पुराना रिकॉर्ड भी जांच के दायरे में आए-भैयाथान शाखा का नाम पहले भी वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामलों में सार्वजनिक रिपोर्टों में सामने आ चुका है,एक प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार शाखा भैयाथान में किसानों को गलत तरीके से ऋण देने और गबन का मामला दर्ज कराया गया था तथा संबंधित कर्मचारी के खिलाफ विभागीय जांच का उल्लेख किया गया था,एक अन्य रिपोर्ट में भैयाथान स्थित जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा से जुड़े किसानों के फसल बीमा की राशि में कथित हेराफेरी का मामला भी सामने आया था,इन पुराने मामलों को वर्तमान आरोपों से जोड़कर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा,लेकिन यही इतिहास इस बात को जरूर महत्वपूर्ण बनाता है कि वर्तमान शिकायत या आरोपों की जांच यदि होती है तो वह पूरी तरह दस्तावेज आधारित और स्वतंत्र हो।

शाखा प्रबंधक से भी पूछे जाने चाहिए सीधे सवाल-यदि जांच बैठती है तो शाखा प्रबंधक श्यामलाल सिंह से भी कुछ सीधे सवाल पूछे जाने चाहिए,समितियों के खातों से बड़ी नकद निकासी की जानकारी उन्हें थी या नहीं? यदि थी तो क्या उन्होंने संबंधित खर्च का दस्तावेज देखा? क्या किसी समिति के खाते से लगातार नकद आहरण पर आपत्ति दर्ज की गई? क्या समितियों के बैंक खातों की नियमित निगरानी की गई? क्या धान खरीदी केंद्रों में हुई बैठकों का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड है? क्या किसी समिति के खाते से निकली राशि के उपयोग की पुष्टि की गई? इन सवालों के जवाब आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मामला सामान्य वित्तीय प्रक्रिया का है या इसमें किसी गंभीर अनियमितता की संभावना है।

समिति प्रबंधकों की भूमिका भी जांच से बाहर नहीं-केवल बैंक शाखा प्रबंधक की भूमिका की जांच करना भी पर्याप्त नहीं होगा, समिति के प्रबंधक, अधिकृत अधिकारी, समिति के पदाधिकारी और भुगतान प्रक्रिया से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी देखी जानी चाहिए, यदि राशि समिति के अधिकृत खाते से विधिवत निकली और समिति के निर्णय के आधार पर वैध खर्च में इस्तेमाल हुई तो संबंधित लोगों के पास उसका दस्तावेजी प्रमाण होना चाहिए, लेकिन यदि राशि निकली और उसका उपयोग स्पष्ट नहीं है, भुगतानकर्ता का पता नहीं है या वाउचर और बैंक रिकॉर्ड में अंतर है, तो फिर जिम्मेदारी तय करने की जरूरत होगी।

अब सवाल...आरोपों का नहीं...रिकॉर्ड का है...

पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यही है कि फिलहाल किसी व्यक्ति को दोषी घोषित करना उचित नहीं होगा,आरोपों की सच्चाई बैंक स्टेटमेंट, समिति के दस्तावेज और धान खरीदी के रिकॉर्ड से ही सामने आ सकती है, यदि रिकॉर्ड साफ है तो जांच के बाद आरोप स्वतः कमजोर पड़ जाएंगे,लेकिन यदि रिकॉर्ड में विसंगति मिलती है तो जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए,सहकारी समितियों की राशि किसी व्यक्ति की निजी रकम नहीं होती,यह संस्था की संपत्ति होती है और इसका उपयोग संस्था के हित में होना चाहिए,इसलिए समिति के खाते से होने वाला प्रत्येक बड़ा लेनदेन पारदर्शी और दस्तावेज आधारित होना जरूरी है।

अब जांच की मांग...हर समिति का स्टेटमेंट सार्वजनिक जांच के दायरे में आए...

भैयाथान शाखा से जुड़ी समितियों के हालिया वित्तीय लेनदेन की निष्पक्ष जांच ही इन सवालों का समाधान कर सकती है,जांच में केवल शिवप्रसादनगर समिति ही नहीं,बल्कि शाखा के अंतर्गत आने वाली सभी संबंधित धान खरीदी समितियों के खातों की समीक्षा की जानी चाहिए,कितनी राशि जमा हुई? कितनी निकली? कितनी नकद निकली? किस मद में खर्च हुई? किसे भुगतान हुआ? और क्या उस भुगतान का दस्तावेज उपलब्ध है? इन सवालों के जवाब मिल गए तो तस्वीर साफ हो जाएगी,फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है– समितियों के खाते में पैसा किसानों और संस्था के हित के लिए है,तो फिर बड़ी रकम कैश में निकालने की जरूरत क्यों पड़ रही है? यदि हर निकासी का हिसाब मौजूद है तो उसे सामने लाने में किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए,और यदि हिसाब अस्पष्ट है, तो जांच से पीछे हटने के बजाय स्वतंत्र ऑडिट और दस्तावेजी सत्यापन ही सबसे बेहतर रास्ता होगा,अब मामला आरोपों से आगे बढ़कर रिकॉर्ड की जांच का है...और रिकॉर्ड अगर बोलता है, तो फिर किसी सफाई की जरूरत नहीं पड़ती।

मोबाइल दुकान चोरीकांड का पर्दाफाश, चार नाबालिग हिरासत में....सोशल मीडिया पर वायरल सीसीटीवी फुटेज और दुकानदार की सजगता से पुलिस को मिली सफलता,चोरी के मोबाइल बरामद;एक आरोपी अब भी फरार

-संवाददाता-

प्रतापपुर/सूरजपुर,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। कदमपारा चौक स्थित पेट्रोल पंप के बगल में संचालित सुशील मोबाइल दुकान में छत काटकर हुई चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है, घटना के बाद सामने आए सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो ने पुलिस की जांच को गति दी। वहीं दुकानदार की सजगता और संदिग्धों की पहचान के लिए किए गए प्रयासों के बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही। मामले में पुलिस ने चार नाबालिगों को हिरासत में लिया है, जबकि एक अन्य नाबालिग आरोपी अभी फरार बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार बीते दिनों अज्ञात चोरों ने कदमपारा चौक स्थित सुशील मोबाइल दुकान की छत काटकर अंदर प्रवेश किया था,इसके बाद दुकान में रखे करीब 50 हजार रुपये से अधिक कीमत के मोबाइल फोन लेकर आरोपी फरार हो गए, चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई थी, फुटेज सामने आने के बाद घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और चोरी की घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई।

दुकानदार की सजगता से आरोपियों तक पहुंची पुलिस-घटना के बाद दुकानदार ने केवल पुलिस में शिकायत दर्ज कराने तक सीमित न रहते हुए अपने स्तर पर भी आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाई,बताया गया कि संदिग्धों की तस्वीरों और उपलब्ध

जानकारी के आधार पर गांव-गांव जाकर पहचान का प्रयास किया गया,सोशल मीडिया के माध्यम से घटना की जानकारी व्यापक स्तर पर सामने आने के बाद पुलिस को भी आरोपियों तक पहुंचने में मदद मिली,पुलिस ने मामले की जांच के दौरान उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान की,जांच आगे बढ़ने पर पांच नाबालिगों के इस चोरी की वारदात में शामिल होने की जानकारी सामने आई।

चार हिरासत में,चोरी का सामान बरामद-पुलिस के अनुसार चोरी में शामिल बताए जा रहे पांचों आरोपी नाबालिग हैं,इनमें से चार को पुलिस ने हिरासत में लिया है, जबकि एक आरोपी फिलहाल फरार है,पूछताछ के दौरान आरोपियों से चोरी की घटना को लेकर जानकारी ली गई और उनके कब्जे से चोरी किए गए सामान की बरामदगी भी की गई है, पुलिस अब फरार नाबालिग आरोपी की तलाश में जुटी हुई है,साथ ही हिरासत में लिए गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि उन्होंने इससे पहले क्षेत्र में किसी अन्य चोरी की घटना को अंजाम दिया है या नहीं।

अन्य चोरियों से भी जुड़ रहे तार?-पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा क्षेत्र में अन्य स्थानों पर भी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिए जाने की जानकारी सामने आने की बात कही जा रही है,हालांकि इन घटनाओं में उनकी संलिप्तता की पुष्टि पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी, पुलिस संबंधित मामलों और उपलब्ध साक्ष्यों का मिलान कर रही है,नाबालिग होने के कारण आरोपियों के विरुद्ध किशोर न्याय कानून के तहत नियमानुसार कार्रवाई की गई है,उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जाने के बाद बाल संरक्षण संबंधी प्रक्रिया के तहत भेजे जाने की जानकारी सामने आई है।

व्यापारियों ने ली राहत की सांस-चोरीकांड का खुलासा होने के बाद प्रतापपुर के व्यापारियों और स्थानीय दुकानदारों ने राहत की सांस ली है, व्यापारियों का कहना है कि बाजार क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत है,खासकर रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की मांग उठ रही है,सुशील मोबाइल दुकान चोरीकांड में सीसीटीवी फुटेज,दुकानदार की सजगता और सोशल मीडिया पर घटना को मिली व्यापक चर्चा पुलिस जांच के लिए अहम कड़ी साबित हुई,अब पुलिस फरार आरोपी की तलाश के साथ यह भी जांच कर रही है कि नाबालिग आरोपियों का किसी अन्य चोरी की घटना से संबंध है या नहीं।

CMYK

जब सोनहत की धरती पर गूंजा 'हर-हर महादेव'

आस्था की कांवड़ में उमड़ा जनसैलाब, शिव तांडव और भंडारे ने बांधा समा

- विधायक रेणुका सिंह की अगुवाई में निकली ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा
- कटगोड़ी में भी सनातन गौरव मंच की कांवड़ यात्रा में उमड़ा जनसैलाब
- शिव तांडव की प्रस्तुति ने बांधा समा, भंडारे में उमड़े हजारों शिवभक्त
- एक बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर विधायक रेणुका सिंह ने दिखाई संवेदनशीलता

विधायक रेणुका सिंह की अगुवाई में निकली ऐतिहासिक कांवर यात्रा...भारी जन सैलाब के बीच शिव तांडव और भंडारे ने बांधा समा

कटगोड़ी में भी सनातन गौरव मंच की कांवर यात्रा में उमड़ा भक्तों का जन सैलाब...

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

सावन के अंतिम सोमवार की पावन बेला में कोरिया जिले की धरती मानो स्वयं भगवान भोलेनाथ की भक्ति में डूब गई,हसदेव नदी के पवित्र उद्गम स्थल मेण्ड्रा से लेकर सोनहत और कटगोड़ी के प्राचीन शिवालयों तक हर ओर केसरिया रंग,कांवरियों की कतार और 'हर-हर महादेव','बोल बम'के गगनभेदी जयकारे सुनाई देते रहे। 24 अगस्त को पड़ने वाले सावन के अंतिम सोमवार को लेकर क्षेत्र में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा,पंचांग के अनुसार इस दिन कई शुभ योगों का संयोग माना गया है,जिससे शिव आराधना और जलाभिषेक के महत्व को और बढ़ा माना गया,इसी आस्था और श्रद्धा के बीच सोनहत के महादेव मंदिर तथा कटगोड़ी के सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के लिए दो भव्य कांवर यात्राएं निकलीं,हजारों शिवभक्तों के कदम जब एक साथ आगे बढ़े तो सोनहत और कटगोड़ी की सड़कें श्रद्धा के सैलाब में बदल गईं,घंटों तक चौक-चौराहों पर भीड़ रही और वातावरण में केवल शिवभक्ति की गूंज सुनाई देती रही।

मेण्ड्रा से सोनहत तक आस्था की अगुवाई करती नजर आईं रेणुका सिंह

सोनहत में आयोजित कांवर यात्रा इस बार विशेष आकर्षण का केंद्र रही,भरतपुर-सोनहत विधायक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह की अगुवाई में महादेव सेवा समिति सोनहत द्वारा आयोजित इस भव्य यात्रा में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु,महिलाएं,युवा,भाजपा कार्यकर्ता और शिवभक्त शामिल हुए,यात्रा का शुभारंभ हसदेव नदी के उद्गम स्थल मेण्ड्रा से हुआ,विधायक रेणुका सिंह ने श्रद्धालुओं के साथ पवित्र जल भरा और बाबा भोलेनाथ की आराधना कर कांवर यात्रा का शुभारंभ किया,हाथों में कांवर,माथे पर भस्म और जुबान पर भोलेनाथ का नाम लिए श्रद्धालुओं का जत्था जब मेण्ड्रा से सोनहत की ओर बढ़ा तो पूरा मार्ग शिवमय हो उठा। जगह-जगह ग्रामीणों ने कांवरियों का स्वागत किया। डमरू की

गूंज,शिव स्तुति और कलाकारों की प्रभावशाली प्रस्तुति ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया,हजारों श्रद्धालु इस प्रस्तुति को देखने के लिए देर तक मौजूद रहे और पूरा परिसर'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंजता रहा, इसके साथ ही सुप्रसिद्ध भजन गायकों ने भगवान शिव की स्तुति में एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

हर वर्ष और भव्य होगी सोनहत की कांवर यात्रा-कार्यक्रम में कपिल पाण्डेय, विधायक प्रतिनिधि राम प्रताप मरावी,सुचित्रा पाल,भुवन भास्कर साहू जिला सयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ संदीप साहू सहित भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और महादेव सेवा समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, विधायक प्रतिनिधि राम प्रताप मरावी ने कहा कि क्षेत्रवासियों की अपार आस्था और उत्साह को देखते हुए आने वाले वर्षों में इस कांवर यात्रा को और व्यापक एवं और अधिक भव्य स्वरूप दिया जाएगा, उन्होंने कहा कि सोनहत की यह यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए सनातन संस्कृति, सेवा और सामाजिक एकता की प्रेरणा बनेगी।

बच्ची को आया चक्कर अस्पताल पहुची विधायक रेणुका सिंह-कांवर यात्रा के दौरान अत्यधिक गर्मी और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच एक छोटी बच्ची अचानक चक्कर आने से सड़क पर गिर पड़ी, स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए आयोजकों और सेवादारों ने तुरंत उसे प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलते ही भरतपुर-सोनहत विधायक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह स्वयं कांवर यात्रा के बीच से तुरंत अस्पताल पहुंचीं, उन्होंने न केवल बच्ची का हाल-चाल जाना और डॉक्टरों को त्वरित व समुचित इलाज के निर्देश दिए,बल्कि बच्ची के परिजनों से बातचीत कर उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया, विधायक की इस त्वरित संवेदनशीलता और तत्परता की श्रद्धालुओं तथा स्थानीय ग्रामीणों ने जमकर सराहना की।

थाप,भक्ति गीतों और'बोल बम' के जयघोष के बीच विधायक रेणुका सिंह भी श्रद्धालुओं के साथ यात्रा में कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ती रहीं,यह दृश्य केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं,बल्कि क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक एकजुटता का भी प्रतीक बन गया।

भोलेनाथ के चरणों में जल चढ़ाते हुए रेणुका सिंह ने मांगा क्षेत्र की खुशहाली का आशीर्वाद-कांवर यात्रा जब सोनहत पहुंची तो महादेव चौक से लेकर मंदिर परिसर तक श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा,विधिवत पूजा-अर्चना के बाद विधायक रेणुका सिंह ने महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया,इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र की सुख-शांति,समृद्धि,खुशहाली और निरंतर विकास की कामना की,उन्होंने कहा कि सावन का अंतिम सोमवार शिवभक्तों के लिए अत्यंत भावनात्मक और पवित्र अवसर है। मेण्ड्रा से पवित्र जल लेकर सोनहत के महादेव मंदिर तक पहुंचना उनके लिए केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र और क्षेत्रवासियों के प्रति आस्था एवं समर्पण का अवसर है,उन्होंने कहा कि'बाबा भोलेनाथ की कृपा सोनहत क्षेत्र के प्रत्येक परिवार पर बनी रहे, हर घर में सुख-शांति रहे,युवाओं का भविष्य उज्ज्वल हो, किसानों के खेत खुशहाल हों और हमारा पूरा क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयों को छुए–इसी प्रार्थना के साथ बाबा के चरणों में जल अर्पित किया है,विधायक ने कहा कि सोनहत की जनता की श्रद्धा,विश्वास और प्रेम ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने क्षेत्र के विकास को अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि जनता के विश्वास को विकास के माध्यम से और मजबूत करने का निरंतर प्रयास किया जाएगा।

भक्ति के साथ सेवा का संदेश, श्रद्धालुओं के लिए हुआ विशाल भंडारा-जलाभिषेक के बाद महादेव सेवा समिति की ओर से भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं के लिए विशाल महाभंडारे और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई,दूर-दराज के गांवों से पहुंचे कांवरियों और श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से प्रसाद ग्रहण किया, समिति के सदस्यों और स्वयंसेवकों ने पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की व्यवस्थाओं की सराहना की।

शिव तांडव की प्रस्तुति ने बांधा समां, भक्ति में झूम उठा सोनहत-कार्यक्रम का सबसे आकर्षक और भावनात्मक क्षण उस समय आया,जब मंच पर कलाकारों ने भगवान शिव के विराट स्वरूप को दर्शाती भव्य शिव तांडव प्रस्तुति दी,डमरू की

बचरा-पोड़ी में मध्यप्रदेश की शराब का 'खेल'! कम कीमत में बिक्री के आरोप,पुलिस की चुप्पी पर उठे सवाल

- सीमावर्ती क्षेत्र से शराब आने की चर्चा,स्थानीय स्तर पर खुलेआम खपाने का आरोप
- चौकी प्रभारी लवांग सिंह बोले...'पता लगा रहे हैं,जानकारी मिलते ही कार्रवाई करेंगे

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,24 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

बचरा-पोड़ी क्षेत्र में कथित तौर पर मध्यप्रदेश से लाई जा रही अवैध शराब की बिक्री को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं, स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि सीमावर्ती क्षेत्र से मध्यप्रदेश की शराब कम कीमत पर लाकर बचरा-पोड़ी सहित आसपास के इलाकों में खपाई जा रही है,यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि कथित रूप से चल रहे इस कारोबार पर पुलिस की नजर अब तक क्यों नहीं पहुंच पाई? क्षेत्र में गांजा और अन्य मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की खबरें सामने आती रही हैं,लेकिन अब अवैध शराब की कथित बिक्री को लेकर उठ रहे सवालों ने पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

कम कीमत में शराब की बिक्री का दावा...

स्थानीय लोगों के मुताबिक कथित तौर पर मध्यप्रदेश से शराब लाकर यहां कम कीमत में बेचे जाने की चर्चा है,दूसरे राज्य से शराब लाकर छत्तीसगढ़ में अवैध रूप से बेचने की पुष्टि होने पर यह केवल अवैध बिक्री का मामला नहीं रहेगा, बल्कि शराब की आपूर्ति करने वाले स्रोत और पूरे नेटवर्क की जांच का विषय भी बन सकता है, हालांकि इन आरोपों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए यह स्पष्ट होना बाकी है कि वास्तव में मध्यप्रदेश से शराब लाई जा रही है या नहीं और यदि लाई जा रही है तो इसके पीछे कौन लोग सक्रिय हैं।

पुलिस को जानकारी नहीं या कार्रवाई का इंतजार?

अवैध शराब के कारोबार को लेकर सबसे अहम सवाल पुलिस की भूमिका को लेकर है, यदि स्थानीय स्तर पर शराब की कथित बिक्री की जानकारी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है, तो क्या पुलिस तक इसकी सूचना नहीं पहुंची? यदि सूचना मिली है तो अब तक कितनी जांच की गई? क्या संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी गई? क्या शराब के स्रोत का पता लगाने की कोशिश हुई? क्या सीमावर्ती क्षेत्रों से आने वाले संदिग्ध वाहनों की निगरानी की जा रही है? ये सवाल अब बचरा-पोड़ी पुलिस के सामने हैं।

सिर्फ विक्रेता नहीं,सप्लाई नेटवर्क तक पहुंचना जरूरी...

यदि अवैध शराब मिलने की पुष्टि होती है तो कार्रवाई केवल स्थानीय स्तर पर शराब बेचने वाले व्यक्ति तक सीमित नहीं होनी चाहिए, पुलिस को यह भी पता लगाना होगा कि शराब कहां से लाई गई,किसके माध्यम से पहुंची और किन-किन स्थानों पर इसकी आपूर्ति की जा रही है, अवैध शराब का कारोबार तभी प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है जब उसके स्रोत से लेकर अंतिम बिक्री तक पूरे नेटवर्क की पड़ताल हो।

चौकी प्रभारी बोले...पता लगा रहे हैं....मामले को लेकर जब चौकी प्रभारी पोड़ी-बचरा लवांग सिंह से जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा कि 'इसका पता लगा रहे हैं, जैसे पता चलता है तत्काल कार्रवाई करेंगे।'

पुलिस के इस बयान के बाद अब सवाल यह है कि जांच कितनी जल्दी पूरी होती है और क्या कथित अवैध शराब के कारोबार की वास्तविकता सामने आती है।

आबकारी विभाग की भूमिका भी महत्वपूर्ण-मामला शराब की अवैध बिक्री से जुड़ा होने के कारण आबकारी विभाग की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है, यदि दूसरे राज्य की शराब छत्तीसगढ़ में अवैध रूप से लाई और बेची जा रही है तो संबंधित विभागों के बीच समन्वित कार्रवाई जरूरी होगी,फिलहाल पूरा मामला आरोपों और स्थानीय चर्चाओं के स्तर पर है,ऐसे में किसी व्यक्ति या कारोबारी को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। लेकिन यदि शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच करना पुलिस और आबकारी विभाग की जिम्मेदारी जरूर बनती है।

अब कार्रवाई पर टिकी निगाहें...

बचरा-पोड़ी क्षेत्र में कथित अवैध शराब बिक्री का मामला सामने आने के बाद अब लोगों की निगाह पुलिस की कार्रवाई पर है, क्या पुलिस संदिग्ध स्थानों पर जांच करेगी? क्या शराब के स्रोत का पता लगाया जाएगा? क्या मध्यप्रदेश से आने वाली शराब की जांच होगी? और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो क्या पूरे नेटवर्क पर कार्रवाई होगी? इन सवालों के जवाब जांच के बाद ही सामने आएंगे, फिलहाल सवाल सीधा है–यदि बचरा-पोड़ी में मध्यप्रदेश की शराब कम कीमत पर पहुंच रही है, तो यह शराब आ कहां से रही है और पुलिस की नजर वहां तक कब पहुंचेगी?

CMYK

सैफ अली खान को डराएंगे अक्षय कुमार

हैवान के ट्रेलर रिलीज डेट का चल गया पता

सितंबर के महीने में बड़े पर्दे पर हिंदी सिनेमा की तरफ से लेटेस्ट फिल्मों की बहार आने वाली है। जिसमें अभिनेता अक्षय कुमार और सैफ अली खान की चर्चित फिल्म हैवान का नाम भी शामिल है। कुछ दिन पहले इसका टीजर रिलीज किया गया है, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया है। अब मेकर्स हैवान के ट्रेलर को रिलीज करने की भी तैयारी कर चुके हैं। जिसका एलान अक्षय ने सोशल मीडिया पर किया है। आइए जानते हैं कि फिल्म का ट्रेलर कब सामने आएगा।

कब रिलीज होगा हैवान का ट्रेलर

बीते साल भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई टेस्ट सीरीज के दौरान स्टेडियम अक्षय कुमार और सैली खान को एक साथ स्पॉट किया गया था और उस वक्त ये चर्चा तेज हो गई थी कि दोनों जल्द ही किसी मूवी में नजर आएंगे। इसके कुछ ही देर बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन द्वारा फिल्म हैवान की आधिकारिक घोषणा की गई, जिसमें अक्षय और सैफ का नाम शामिल था। साइको थ्रिलर फिल्म हैवान पूरी तरह से बनकर तैयार है और मेकर्स इसे बड़े पर्दे पर पेश करने से पहले फैंस के लिए टीजर और ट्रेलर का सरप्राइज ला रहे हैं। टीजर के बाद अब 25 अगस्त मंगलवार को हैवान का लेटेस्ट ट्रेलर रिलीज होगा, इसकी जानकारी अक्षय कुमार ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर ट्वीट कर दी है। अक्षय ने अपने इस ट्वीट में हैवान के दो नए पोस्टर्स को शामिल किया गया है, जिनमें उनकी और सैफ अली खान की झलक देखने को मिल रही है। साथ ही कैप्शन में उन्होंने लिखा है-कल कहानी मेरी होगी, लेकिन डर तुम्हारा होगा। अक्षय कुमार की तरफ से हैवान के ट्रेलर रिलीज अनाउंसमेंट के बाद फैंस की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर पहुंच गई है और वे इसका बेसब्री से इंतजार करने लगे हैं।

इस दिन रिलीज होगी हैवान

गौर किया जाए फिल्म हैवान की रिलीज डेट की तरफ तो ये फिल्म सितंबर के दूसरे वीक में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। 11 सितंबर 2026 को अक्षय कुमार और सैफ अली खान की इस लेटेस्ट मूवी को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

प्राइम वीडियो पर डोंट बी शाय का होगा धमाका

4 नए चेहरों की दिखेगी अनोखी कहानी...
ग्लोबल स्ट्रीमिंग को तैयार

आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट की डोंट बी शाय का 25 सितंबर को प्राइम वीडियो पर ग्लोबल प्रीमियर होगा। इसमें चार नए चेहरे आरुषि बजाज,अंश दुग्गल,बियांका अरोड़ा और पीयूष खाटी की कहानी देखने को मिलेगा। श्रीति मुखर्जी द्वारा लिखित और निर्देशित यंग-एडल्ट रोमांटिक कॉमेडी डोंट बी शाय चार नए चेहरों-आरुषि बजाज,अंश दुग्गल,बियांका अरोड़ा और पीयूष खाटी को लेकर बनाई गई है। ओटीटी पर दर्शकों को नई कहानी के साथ-साथ 4 नए कलाकार भी देखने को मिलेंगे। प्राइम वीडियो भारत की सबसे बड़ी एक्सक्लूसिव ओरिजिनल्स स्ट्रीमिंग सर्विस ने अपनी अपकमिंग प्राइम ओरिजिनल फिल्म डोंट बी शाय के वर्ल्डवाइड प्रीमियर की डेट का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म को आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट ने अपने बैनर इंटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के तहत प्रोड्यूस किया है, जो सितंबर में ओटीटी पर धमाका करने के लिए तैयार है।

प्राइम वीडियो पर 4 नए चेहरों की कहानी देगी दस्तक

डोंट बी शाय 25 सितंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। यह कमिंग-ऑफ-एज रोमांटिक कॉमेडी चार नए चेहरों आरुषि बजाज,पीयूष खाटी,बियांका अरोड़ा और अंश दुग्गल की कहानी है,जो दोस्ती,पहला प्यार,दिल टूटने,अधूरे सपने और एक युवा के तौर पर जिंदगी को समझने की उलझी हुई स्टोरी को दिखाती है। यह फिल्म भारत समेत दुनियाभर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। ये हिंदी में अंग्रेजी सबटाइटल्स के साथ स्ट्रीम की जाएगी। इस फिल्म के को-

प्रोड्यूसर ग्रिश्मा शाह और विकेश भूटानी हैं,जिसमें कुणाल रॉय कपूर,अनुराग बसु,नेहा धूपिया और अंजू अल्वा नाइक भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

निखिल माधोक ने बताया डोंट बी शाय क्यों है खास

प्राइम वीडियो और अमेजन MGM स्टूडियोज इंडिया के ओरिजिनल्स के डायरेक्टर और हेड निखिल माधोक ने कहा, डोंट बी शाय हमारी सबसे खास फिल्मों में से एक है और हम आखिरकार इसके ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्रीमियर की घोषणा करके बहुत खुश हैं। यह फिल्म चार शानदार नए कलाकारों आरुषि, अंश,बियांका और पीयूष को पेश करती है,जो अपने किरदारों में एक नई ताजगी और सच्चाई लेकर आए हैं। श्रीति मुखर्जी के निर्देशन और आलिया व शाहीन भट्ट की क्रिएटिव सोच से बनी डोंट बी शाय दोस्ती,प्यार और बड़े होने के खूबसूरत लेकिन उलझे सफर का दिल से जश्न मनाती है। हम चाहते हैं कि दर्शक शाय की दुनिया में डूब जाएं।

डोंट बी शाय युवाओं के लिए है खास

आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट इंटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस की को-फाउंडर्स ने एक जॉइंट स्टेटमेंट में कहा, डोंट बी शाय शुरुआत से ही हमारे लिए बेहद खास रही है और हमें इसे इस तरह आकार लेते देखकर बहुत गर्व हो रहा है। यह फिल्म युवा होने के उस दौर की सच्चाई को दिखाती है,पहला प्यार जो आपकी जिंदगी पर असर छोड़ता है, वो दिल टूटना जिसे आप लंबे समय तक याद रखते हैं और धीरे-धीरे यह समझने की कोशिश कि आप असल में कौन हैं। हमें सबसे ज्यादा खुशी इस शानदार यंग कास्ट को लेकर है। उनकी एनर्जी,कमजोरी और आपसी केमिस्ट्री बेहद खास है और उन्होंने अपने किरदारों में जान डाल दी है। हम इंतजार नहीं कर सकते कि भारत और दुनियाभर के दर्शक शाय से मिलें और उसकी खूबसूरत,थोड़ी उलझी हुई दुनिया का हिस्सा बनें।

तारा के स्टाइल का जलवा टॉक्सिक प्रमोशन में पहना लाखों का फैशन लुक

बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया अपने फैशन सेंस को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उनकी आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' के प्रमोशन के दौरान पहना गया स्टाइलिश लुक सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। इस आउटफिट की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है, जिसमें सिर्फ उनकी डिजाइनर हील्स की कीमत ही करीब 83 हजार रुपये है। तारा सुतारिया का यह प्रमोशनल लुक ग्लैमरस और प्रीमियम फैशन का शानदार उदाहरण माना जा रहा है। अभिनेत्री ने इस दौरान ऐसा आउटफिट चुना,जिसमें एलिगेंस के साथ बोल्ड फैशन का टच भी देखने को मिला। पैपराजी के कैमरों में कैद हुए उनके इस अंदाज की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार तारा के पूरे लुक की कीमत 1.37 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। उनके पहनावे में शामिल एक्सेसरीज और फुटवियर ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। खासतौर पर उनकी हाई-फैशन हील्स की कीमत करीब 83 हजार रुपये बताई जा रही है, जिसने इस लुक को और खास बना दिया।

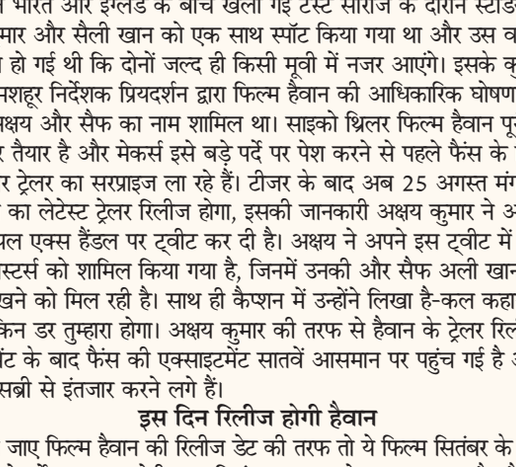

अनुपम खेर ने की यश से मुलाकात

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने सोमवार को कन्नड़ सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता यश से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद खेर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा नोट साझा करते हुए यश की जमकर तारीफ की। उन्होंने यश के अभिनय,उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और खास तौर पर 'केजीएफः चैप्टर 1' और केजीएफ चैप्टर 2' में उनके निभाए रॉकी के किरदार को याद किया। अनुपम खेर ने यश को उनकी आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' के लिए शुभकामनाएं भी दीं। खेर ने कहा कि यश ने रॉकी के किरदार को सिर्फ पर्दे पर निभाया नहीं,बल्कि उसमें एक अलग तरह की आत्मा और पहचान डाल दी। उनकी पोस्ट के बाद दोनों कलाकारों की मुलाकात और अनुपम खेर की तारीफ चर्चा में आ गई। अनुपम खेर ने अपनी पोस्ट में यश से मुलाकात को सुखद अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि यश जैसे शानदार कलाकार से मिलना उनके लिए खुशी की बात रही। खेर ने यश की फिल्मों और उनके अभिनय की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय सिनेमा में अपने किरदार के लिए एक खास जगह बनाई है। खेर ने विशेष रूप से 'केजीएफसीरीज में यश की भूमिका का उल्लेख किया। रॉकी के किरदार ने यश को देशभर में बड़ी लोकप्रियता दिलाई और फिल्म की सफलता ने उन्हें पैन-इंडिया स्टार के तौर पर स्थापित किया। अनुपम खेर के मुताबिक, यश ने रॉकी को सिर्फ एक एक्शन किरदार की तरह पेश नहीं किया,बल्कि उसे अपनी अलग शैली और भावनात्मक गहराई दी। यही वजह है कि यह किरदार दर्शकों के बीच लंबे समय तक याद किया गया।

रॉकी' में आत्मा डाल दी...

अनुपम खेर ने यश की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने रॉकी के किरदार को एक खास अंदाज और आत्मा दी। उनके अनुसार, यश की स्क्रीन पर दमदार मौजूदगी ने इस किरदार को भारतीय सिनेमा में यादगार बनाने में अहम भूमिका निभाई। 'केजीएफ' की दोनों फिल्मों में यश का किरदार एक ऐसे व्यक्ति के रूप में सामने आया, जो संघर्ष से निकलकर बड़ी ताकत हासिल करता है। फिल्म की कहानी,एक्शन और यश की प्रस्तुति ने इसे व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाया। खेर की टिप्पणी से यह भी पता चलता है कि वह यश के अभिनय को केवल एक्शन या स्टारडम के नजरिए से नहीं देखते, बल्कि उनके किरदार को निभाने की क्षमता को भी महत्वपूर्ण मानते हैं।

पर्दे के पीछे अलग नजर आए यश

अनुपम खेर ने अपनी पोस्ट में यश के व्यक्तित्व के एक दूसरे पहलू का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पर्दे पर यश की दमदार मौजूदगी के पीछे उन्हें एक मिलनसार,जमीन से जुड़े और समझदार इंसान से मिलने का मौका मिला। दोनों अभिनेताओं की मुलाकात एक स्टूडियो में हुई। इस दौरान उन्होंने फिल्मों के अलावा जिंदगी से जुड़े कई विषयों पर बातचीत की। अनुपम खेर के अनुसार, बातचीत सिनेमा से आगे बढ़कर माता-पिता,परिवार,सपनों और जीवन के उन सफर तक पहुंची, जो किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को आकार देते हैं। इस मुलाकात ने दोनों कलाकारों के बीच एक सहज और आत्मीय संवाद का रूप लिया। खेर की पोस्ट से यह भी संकेत मिलता है कि बातचीत केवल फिल्मों और आगामी प्रोजेक्ट्स तक सीमित नहीं रही।

टॉक्सिक' को लेकर उत्साह

यश की आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर उनके प्रशंसकों के बीच पहले से उत्सुकता बनी हुई है। अनुपम खेर ने भी यश को इस फिल्म के लिए शुभकामनाएं दीं। यश की पिछली बड़ी सफलता 'केजीएफ' फ्रेंचाइजी रही है। ऐसे में उनकी अगली फिल्म को लेकर दर्शकों की उम्मीदें भी काफी अधिक हैं। 'टॉक्सिक' को लेकर लगातार चर्चा होती रही है और यश के प्रशंसक उनके नए किरदार को पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं। अनुपम खेर की शुभकामनाएं ऐसे समय में आई हैं जब यश अपने आगामी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। खेर की ओर से मिली प्रशंसा ने इस मुलाकात को और खास बना दिया है।

मुलाकात ने बटोरी चर्चा

अनुपम खेर और यश की मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद दोनों के प्रशंसकों के बीच भी उत्सुकता देखने को मिली। खेर की पोस्ट में यश के अभिनय के साथ उनके निजी व्यक्तित्व की भी तारीफ की गई। खेर ने जिस तरह यश के सफर, उनके अभिनय और रॉकी के किरदार का उल्लेख किया, उससे साफ है कि वह उनके काम से प्रभावित हैं। वहीं,दोनों के बीच परिवार, सपनों और जिंदगी जैसे विषयों पर हुई बातचीत इस मुलाकात को सामान्य फिल्मी मुलाकात से अलग बनाती है। फिलहाल अनुपम खेर की यश से मुलाकात और उनकी तारीफ चर्चा में है। एक ओर खेर ने 'केजीएफ' में यश के काम को यादगार बताया, वहीं दूसरी ओर यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' के लिए शुभकामनाएं देकर उनके नए सिनेमाई सफर के लिए समर्थन जताया।

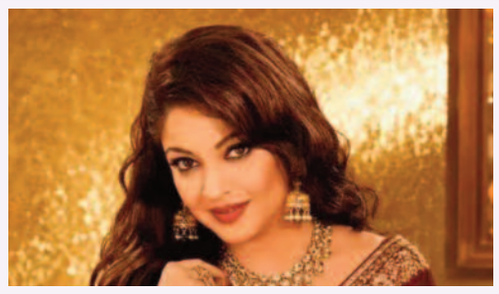

तनुश्री दत्ता की सलाहः सीनियर होने के नाते किसी को न दें अंधा भरोसा

एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता ने इस बात पर सवाल उठाया है कि किसी को सिर्फ़ इसलिए सम्मान या भरोसा दिया जाए क्योंकि वे उम्र में बड़े हैं या फ़िल्म इंडस्ट्री में वेटरन (अनुभवी) माने जाते हैं। अपने सफ़र को याद करते हुए, आशिक बनाया आपने फ़िल्म की एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने लोगों को उनकी उम्र के बजाय उनके चरित्र से परखना सीखा है। उन्होंने कहा,कभी भी किसी व्यक्ति पर सिर्फ़ उनकी उम्र के कारण भरोसा न करें। उन्होंने आगे कहा कि अब वह किसी व्यक्ति को उनकी उम्र के आधार पर नहीं, बल्कि उनके चरित्र के आधार पर सम्मान देती हैं। सोमवार को तनुश्री दत्ता ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने बॉलीवुड में अपने अनुभवों और करियर के दौरान सीखी गई बातों के बारे में बात की। उन्होंने उस दौर को भी याद किया जब वह अपने करियर के शिखर पर थीं। उस समय अपनी लोकप्रियता को याद करते हुए उन्होंने कहा,मैं एक बहुत बड़ी स्टार थी। हो सकता है कि मैं नंबर वन स्टार या सुपर-डुपर स्टार न रही होऊं,लेकिन मैं एक बहुत बड़ी स्टार ज़रूर थी। ढोल फ़िल्म की एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में सीनियरिटी (वरिष्ठता) की पारंपरिक समझ पर भी सवाल उठाया और कहा कि उम्र और टैलेंट ही इंडस्ट्री में किसी व्यक्ति की स्थिति तय नहीं करते हैं। उन्होंने कहा,बॉलीवुड में उम्र से कोई सीनियर नहीं होता। जिसके सितारे बुलंद हों,वही सीनियर है। जिसकी फ़िल्म हिट हो रही हो,वही स्टार है। तनुश्री ने फिल्म सेट के एक अनुभव को भी याद किया जब उन्हें लगा कि वह विवाद का शिकार हो गई हैं। उन्होंने दावा किया कि कई लोग एकजुट हो गए और उन्हें बलि का बकरा बना दिया गया,जबकि उस समय वह सेट पर सबसे बड़ी स्टार थीं। पीछे मुड़कर देखने पर उन्होंने कहा कि वह स्ट्रीट स्मार्ट नहीं थीं और सफलता के शुरुआती सालों में इंडस्ट्री के तौर-तरीकों को पूरी तरह नहीं समझ पाई थीं। मैं निश्चित रूप से स्ट्रीट स्मार्ट नहीं थी। मुझे ग्रेस,शरारत और चालाकी सीखने का मौका नहीं मिला।

खेल समाचार

भारत बनाम अफगानिस्तान टी 20 सीरीज के लिए स्क्वाड का ऐलान

भारत और अफगानिस्तान के बीच सितंबर में होने वाली तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से स्क्वायड का ऐलान कर दिया गया है...टीम की कमान इब्राहिम जादरान को दी गई है...

भारत बनाम अफगानिस्तान सीरीज के शेड्यूल में हो सकता है बदलाव

सीरीज का पहला मुकाबला 13 सितंबर को खेला जाएगा। दूसरा मैच 15 सितंबर और तीसरा व आखिरी मैच 17 सितंबर को खेला जाएगा। हालांकि बीच में खबर आई थी कि इसमें हल्का बदलाव किया जा सकता है। उम्मीद है कि गणेश चतुर्थी के दिन भी एक मैच खेला जा सकता है, जो इस बार 14 सितंबर को मनाई जाएगी। हालांकि इसको लेकर अभी कोई अपडेट नहीं आया है। भारत के खिलाफ टी20 आई सीरीज के लिए अफगानिस्तान की टीमः इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब, नूर रहमान, मोहम्मद नबी, रशीद खान, नांग्याल खरोटी, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, नवीन-उल-हक, अब्दुल्ला अहमदजई,
रिजर्व खिलाड़ीः शाहिदुल्लाह कमाल, फरीद अहमद मलिक, इजाज अहमदजई।

नई दिल्ली,24 अगस्त 2026। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज अगले महीने खेली जाएगी। इसके शेड्यूल का ऐलान पहले ही कर दिया गया था। अब खबर है कि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इसके लिए अपनी स्क्वाड का भी ऐलान कर दिया है। सीरीज के लिए इब्राहिम जादरान को टीम का कप्तान बनाया गया है। राशिद खान को भी टीम में जगह मिली है। सीरीज का पहला मैच 13 सितंबर को खेला जाएगा।

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे सीरीज के तीनों मुकाबले

अफगानिस्तान टीम अगले महीने तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने के लिए भारत आएगी। खास बात ये है कि सभी मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे, लेकिन इसकी मेजबानी भारत नहीं, बल्कि अफगानिस्तान की ओर से की जा रही है। इससे पहले जब इसी साल अफगानिस्तानी टीम एक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलने आई थी, तब भी उसकी होस्टिंग अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने ही की थी।

टीम में एक से बढ़कर एक खिलाड़ी को मिली जगह

इस बीच टीम की बात की जाए तो ये काफी मजबूत नजर आती है। सीरीज में अभी वक्त है, लेकिन बोर्ड ने टीम अभी से ही घोषित कर दी है। इब्राहिम जादरान की कप्तानी में रहमानुल्ला गुरबाज और सादिकुल्ला अटल के अलावा कई बड़े खिलाड़ी शामिल किए गए हैं। टीम में राशिद खान और नूर अहमद जैसे स्पिनर होंगे, वहीं फजलहक फारूकी, नवीन उल हक और अब्दुल्ला अहमदजई जैसे प्लेयर्स भी हैं।

कोको गॉफ ने जीता सिनसिनाटी ओपन का दूसरा खिताब

सिनसिनाटी ,24 अगस्त 2026। यूएस टेनिस स्टार कोको गॉफ ने जेसिका पेगुला को हराकर अपना दूसरा सिनसिनाटी ओपन खिताब जीता। ओलम्पिक .कॉम के अनुसार, टूर्नामेंट के 56 साल के इतिहास में पहली बार हुए इस ऑल-यूएसए खिताबी मुकाबले में गॉफ ने पेगुला को 6-2, 6-4 से हराया। इसके साथ ही वह सेरेना विलियम्स और विक्टोरिया अजारेंका जैसी उन खास खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गई जिन्होंने ओपन एरा में एक से ज़्यादा बार यह खिताब जीता है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0)
रा. प्र.क्र.-/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिनेश अग्रवाल आ0 रामविलास अग्रवाल, उम्र 47 वर्ष, जाति- अग्रवाल निवासी बसंत लाल मार्ग अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है,कि अनावेदक राम विलास अग्रवाल पिता धंजाराम अग्रवाल के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ0पुर, शीट नं. 08 मोहल्ला खजूरपारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 3112/2 रकबा 0.07 एकड़ में से रकबा 2282 एकड़ भूमि का पंजीबद्ध दान पत्र दिनांक 17.07.2026 का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध दान पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा दानशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध दान पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-07/09/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक- 21/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी।
सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा, (छ0ग0)
रा0प्र0क्र0-/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शुभम तायल आ0 विजय तायल,उम्र 32 वर्ष, जाति अग्रवाल निवासी बसंत लाल मार्ग अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है,कि अनावेदक राम विलास अग्रवाल पिता धंजाराम अग्रवाल के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ0पुर, शीट नं. 08 मोहल्ला खजूरपारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 3112/2 रकबा 0.07 एकड़ में से रकबा 770 एकड़ भूमि का पंजीबद्ध दान पत्र दिनांक 17.07.2026 का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध दान पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा दानशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध दान पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-07/09/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक-21/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी
सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)
रा0प्र0क्र0- /ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सैवी केडिया पत्नि निकेश कुमार केडिया जाति अग्रवाल निवासी हाईस्कूल रामानुजगंज रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 2/378 रकबा 0.020 हे0 भूमि को अनावेदक प्रदीप कुमार आ0उपाधि कोरमा निवासी गुरूद्वारा के पीछे गुरूनानक वार्ड नंबर 26 अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपये 50,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07.09.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।
आज दिनांकः 11/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।
तहसीलदार
सील — अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

आशीष ने जीता सिल्वर मेडल

हिसार,24 अगस्त 2026। भारत के युवा जैवलिन थ्रोअर आशीष यादव, जिन्होंने पिछले महीने यू-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों के जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल जीता था, ने कहा कि इस कॉम्पिटिशन ने उन्हें ज़्यादा कॉम्पिटिटिव दबाव का अनुभव कराया। उन्होंने इस खेल को अपनाने के लिए मशहूर जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा के असर और सफलता को भी श्रेय दिया। आशीष ने इस महीने की शुरुआत में वर्ल्ड एथलेटिक्स यू-20 चैंपियनशिप में पुरुषों के जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल जीता। वह नीरज के बाद ग्लोबल जूनियर चैंपियनशिप में इस इवेंट में पोडियम तक पहुँचने वाले दूसरे भारतीय बने। 19 साल के आशीष ने 74.09 मीटर का बेस्ट थ्रो किया और साउथ अफ्रीका के जान-हेंड्रिक हेमैन्स के पीछे रहे, जिन्होंने 80.50 मीटर के वर्ल्ड यू-20 लीडिंग प्रयास के साथ गोल्ड मेडल जीता। डोमिनिका के एडिसन जेम्स ने 73.89 मीटर के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। आशीष की यह कामयाबी चोपड़ा के वर्ल्ड यू-20 चैंपियनशिप में जैवलिन मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बनने के एक दशक बाद मिली है, जब उन्होंने 2016 में बिडगोस्ज़कज़ में 86.48 मीटर के वर्ल्ड 20 रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता था।

रक्षाबंधन से पहले महिलाओं को बड़ा तोहफा...सीएम साय आज जारी करेंगे महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त

रायपुर,24 अगस्त 2026। रक्षाबंधन से पहले छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए राज्य सरकार बड़ी सौगात देने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 25 अगस्त को महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त जारी करेंगे। सरकार ने सितंबर महीने में मिलने वाली किस्त को इस बार अगस्त में ही जारी करने का फैसला किया है। इससे

प्रदेश की लाखों महिलाओं को त्योहार से पहले आर्थिक सहायता मिल सकेगी। इतिहास महतारी वंदन योजना की इस किस्त का लाभ प्रदेश की 67 लाख 28 हजार से अधिक महिलाओं को मिलेगा। सरकार की ओर से उनके बैंक खातों में 631 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि सीधे ट्रांसफर की जाएगी। इस राशि के समय से पहले भुगतान से महिलाओं को रक्षाबंधन की तैयारियों और घरेलू जरूरतों में आर्थिक मदद मिलने की उम्मीद है। 31वीं किस्त का भुगतान बालोद जिले के डौण्डीलोहारा में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कार्यक्रम में शामिल होकर महिलाओं के खातों में राशि का अंतरण करेंगे। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय स्तर पर तैयारियां भी तेज कर दी गई हैं। समाचार महतारी वंदन योजना के जरिए राज्य सरकार अब तक महिलाओं को 19,444 करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता प्रदान कर चुकी है। योजना का उद्देश्य पात्र महिलाओं को नियमित आर्थिक सहयोग देकर उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत करना और उन्हें अधिक आत्मनिर्भर बनाना है।

प्रधानमंत्री आवास योजना पर आर-पार विजय शर्मा ने दी बहस की चुनौती तो भूपेश बघेल ने कहा-मंजूर है...

रायपुर,24 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना के आंकड़ों को लेकर सियासत गरमा गई है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को

योजना के आंकड़ों पर खुली बहस की चुनौती दी थी। बघेल ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए कहा है कि समय और स्थान तय कर लें,वह बहस के लिए तैयार हैं। विवाद मुख्य रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत और पूरे हुए मकानों की संख्या को लेकर है। विजय शर्मा जहां नई सरकार के कार्यकाल में लाखों आवास पूरे होने का दावा कर रहे हैं, वहीं भूपेश बघेल का कहना है कि सरकार जिन आंकड़ों को अपनी उपलब्धि बता रही है,उनमें पहले से स्वीकृत आवास भी शामिल हैं। अब दोनों नेताओं के दावों के बीच आंकड़ों को लेकर सीधा राजनीतिक टकराव शुरू हो गया है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के आंकड़े सामने रखते हुए कहा था कि प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद हुई पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों को स्वीकृति देकर निर्माण का फैसला लिया गया था। विजय शर्मा के मुताबिक, सरकार बनने के बाद अब तक 11 लाख से ज्यादा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के मकान पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया था। विजय शर्मा ने कहा था कि अगर पूर्व मुख्यमंत्री इस मुद्दे पर चर्चा करना चाहते हैं तो सरकार किसी भी मंच पर बहस के लिए तैयार है। विजय शर्मा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि वह बहस के लिए तैयार हैं। बघेल ने कहा, मुझे विजय शर्मा की चुनौती मंजूर है। समय और स्थान तय कर लें,मैं बहस करने के लिए तैयार हूं। बघेल ने चुनौती स्वीकार करने के साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के आंकड़ों पर सरकार से कई सवाल भी पूछे हैं। भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के आंकड़ों को लेकर विजय शर्मा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से अलग-अलग जगहों पर अलग आंकड़े दिए जा रहे हैं। बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र में 18 लाख 50 हजार आवास स्वीकृत होने की बात कही गई है। वहीं,संसद में अलग आंकड़े बताए जाते हैं।

सुकमा में नक्सलियों का हथियार डंप मिला

23 हथियार,492 जिंदा राउंड और विस्फोटक सामग्री बरामद,जमीन में छिपाकर रखा था डंप

सुकमा,24 अगस्त 2026। सुकमा जिले के भेज्जी थाना क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के पुराने हथियार डंप का भंडाफोड़ किया है। भंडारपदर-मुनुरकोंडा के जंगल-पहाड़ी इलाके में जमीन के नीचे छिपाकर रखे डंप से 23 हथियार, 492 जिंदा राउंड और बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस को यह सफलता आत्मसमर्पित नक्सलियों से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर मिली। 24 अगस्त को जिला बल, DRG और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम ने इलाके में सर्चिंग अभियान चलाया। तलाशी के दौरान जमीन में छिपा डंप मिला। इसमें SLR, .315 रायफल, .410 मस्केट, BGL लांचर, 12 बोर रायफल और भरमार बंदूक समेत कई हथियार बरामद हुए। डंप से AK-47, SLR, इंसास, .303, .315 और 12 बोर के कुल 492 कारतूस बरामद हुए। इनमें SLR के 196, इंसास के 89, .303 के 97 और AK-47 के 45 राउंड शामिल हैं। इसके अलावा SLR और .303 की मैगजीन भी मिली हैं। सर्चिंग के दौरान 240 जिलेटिन स्टिक, 18 किलो गन पाउडर, 5 देशी हैंड ग्रेनेड, बड़ी संख्या में BGL सेल और कारतूस समेत अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। नक्सली वर्दी, कमर बेल्ट, पाउच, पिट्ठू बैग, सोलर प्लेट, दवाइयां और दैनिक उपयोग का सामान भी मिला है।

पीएचई विभाग में 111 उप अभियंताओं की नियुक्ति,पदस्थापना आदेश जारी

रायपुर,24 अगस्त 2026। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने 111 उप अभियंताओं की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। इनमें 101 सिविल अभियंता और 10 विद्युत/यांत्रिक अभियंता शामिल हैं। प्रमुख अभियंता कार्यालय द्वारा पदस्थापना आदेश में चयनितों को 15 दिनों के भीतर पदस्थापना कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने कहा गया है। निर्धारित तिथि तक उपस्थित नहीं होने की स्थिति में नियुक्ति स्वयंमेव निरस्त मानी जाएगी।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना : सीएम साय ने श्रमिकों के 200 मेधावी बच्चों को किया सम्मानित,39.67 करोड़ रुपये खातों में ट्रांसफर

रायपुर,24 अगस्त 2026। राजधानी रायपुर में आयोजित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों को सम्मानित किया। इस दौरान श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत श्रमिकों के खातों में 39 करोड़ 67 लाख रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर की गई। कार्यक्रम में इस वर्ष योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने हिस्सा लिया।भौगोलिक संदर्भ

इस साल 200 बच्चों का चयन

मुख्यमंत्री ने बताया कि अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के तहत पिछले वर्ष 100 बच्चों का चयन किया गया था। सरकार ने उसी समय आने वाले वर्षों में योजना का दायरा बढ़ाने का निर्णय लिया था। इसके तहत इस वर्ष चयनित बच्चों की संख्या बढ़ाकर 200 कर दी गई है। इस तरह पिछले वर्ष के 100 और इस वर्ष के 200 बच्चों को मिलाकर योजना से जुड़े कुल 300 विद्यार्थी और उनके परिवार कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें इस अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए।

श्रमिक परिवारों के बच्चों को बेहतर शिक्षा का मौका

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश के विकास में निर्माण श्रमिकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। सड़कों से लेकर इमारतों और दूसरी आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में श्रमिकों का योगदान रहता है। ऐसे परिवारों के बच्चों को अच्छी शिक्षा और बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जब श्रमिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी, तभी प्रदेश का समग्र विकास और मजबूत होगा। अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना को इसी उद्देश्य से शुरू किया गया है, ताकि प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच मिल सके।

बच्चों के सपनों पर बोले...सीएम साय

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मंच पर आए विद्यार्थियों से उनके भविष्य के लक्ष्य के बारे में भी पूछा। कई बच्चों ने कलेक्टर बनने की इच्छा जताई। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए मेहनत,अनुशासन और निरंतर अध्ययन जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं, खासकर यूपीएससी जैसी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अभी से मजबूत आधार तैयार करने की सलाह दी।

श्रमिकों के खातों में भेजी गई करोड़ों की राशि : मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रम विभाग की अलग-अलग योजनाओं के तहत प्रदेश के श्रमिकों को निरंतर सहायता दी जा रही है। इसी क्रम में कार्यक्रम के दौरान 39 करोड़ 67 लाख रुपये से ज्यादा की राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित की गई। सरकार का कहना है कि डीबीटी के जरिए राशि पहुंचने से योजनाओं का लाभ सीधे श्रमिक परिवारों तक पहुंचता है और भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहती है।

श्रमिक हितों पर सरकार का फोकस : मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में केंद्र और राज्य सरकार की ओर से श्रमिकों के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक हितों को मजबूत करने के लिए कई योजनाओं पर लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने पीएफ व्यवस्था को अधिक पोर्टेबल बनाने और न्यूनतम पेंशन को बढ़ाकर 1,000 किए जाने का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार श्रमिकों के जीवन के अलग-अलग चरणों में उन्हें जरूरी सहायता और सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के तहत प्रदेश में 19-19 विद्यालयों के चयन का भी उल्लेख किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन संस्थानों के माध्यम से श्रमिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। रायपुर में आयोजित सम्मान समारोह में श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन, उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा समेत अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में चयनित विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के चेहरों पर भी उत्साह देखने को मिला।

दो करोड़ की गांजा खेप...6.50 लाख नकदी सहित पांच अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

गरियाबंद,24 अगस्त 2026। गरियाबंद पुलिस ने 'ऑपरेशन निश्चय'के तहत अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के बड़े नेटवर्क पर करारा प्रहार करते हुए पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। देवभोग थाना क्षेत्र के खुटगांव अंतरराज्यीय चेक पोस्ट पर हुई कार्रवाई में करीब दो करोड़ रुपये मूल्य का 400 किलोग्राम गांजा, 6.50 लाख रुपये की नगदी, एक आयशर (मेटाडोर), एक मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए। एंड-टू-एंड कार्रवाई के तहत पुलिस ने ओडिशा से मुख्य सप्लायर को भी गिरफ्तार कर पूरे नेटवर्क की अहम कड़ी तक पहुंच बनाई।

पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज के निर्देश तथा पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के मार्गदर्शन में सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा, इसी क्रम में सोमवार देर रात

एनएच-130सी स्थित खुटगांव चेक पोस्ट पर ओडिशा की ओर से आ रहे नारंगी रंग के आयशर वाहन को रोककर तलाशी ली गई। तिरपाल के नीचे छिपाकर रखे गए पैकेटों में गांजा मिला। चालक और उसके साथी से पूछताछ के दौरान पता चला कि उनके आगे एक मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति रास्ता दिखाते हुए चल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को भी दबोच लिया। पूछताछ में मिले सुराग के आधार पर ओडिशा के कालाहांडी जिले से मुख्य सप्लायर विनोद दिसारी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से गांजा कारोबार में इस्तेमाल किए गए पांच लाख रुपये भी बरामद किए गए।

मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(ii)(C) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने मादक पदार्थ के अलावा परिवहन में प्रयुक्त आयशर वाहन, मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन और कुल 6.50 लाख रुपये की नगदी भी जब्त की है। अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पूरे अंतरराज्यीय नेटवर्क की पड़ताल जारी है।गिरफ्तार आरोपियों में संतोष अनंता मोहिते (49) निवासी खारघर, जिला रायगढ़ (महाराष्ट्र), सुमित सुभाष थोड़वे (35)निवासी पुणे (महाराष्ट्र), पंकज अनंता मोहिते (47) निवासी खालापुर, जिला रायगढ़ (महाराष्ट्र), जलंधर खम्हारी (43)निवासी कोकसर, जिला कालाहांडी (ओडिशा) तथा विनोद दिसारी (40) निवासी डेंगागुड़ा, थाना आमपानी, जिला कालाहांडी (ओडिशा) शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि खेप ओडिशा से अन्य राज्यों तक पहुंचाई जानी थी। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

कोमाखान रेलवे स्टेशन पर 37 किलो गांजा जब्त,तीन अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

महासमुंद, 24 अगस्त 2026। महासमुंद जिले की कोमाखान पुलिस ने अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 37.400 किलोग्राम गांजा, तीन मोबाइल फोन समेत 18.95 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई। प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ कि खेप को ओडिशा के भवानीपटना से राजस्थान के कोटा ले जाकर खपाने की तैयारी थी। एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान कोमाखान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि तीन संदिग्ध रेलवे स्टेशन परिसर में ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके बैगों से गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि मादक पदार्थ को ओडिशा से लाकर राजस्थान

पहुंचाने की योजना बनाई गई थी। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ के साथ तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

मामले में थाना कोमाखान में अपराध क्रमांक 130/2026 दर्ज कर आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(ii)(C) एवं 29 के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। त्वरित सूचना, प्रभावी समन्वय और सतर्क पुलिसिंग के चलते यह कार्रवाई सफल रही। गिरफ्तार आरोपियों में ओडिशा के कालाहांडी जिले के बलदियामाल निवासी सुनील मेहेर (37), राजस्थान के कोटा निवासी गौतम माखीजा (24)तथा अर्जुन सरकार (20) शामिल है।

शक्कर के बढ़े दामों पर कांग्रेस का रायपुर में प्रदर्शन...बोले- '13 रुपये किलो शक्कर के वादे पर अब चुप्पी क्यों?

रायपुर,24 अगस्त 2026। रायपुर में शक्कर की बढ़ती कीमतों और महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान एथेनॉल नीति को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया गया कि एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने के इस्तेमाल से शक्कर की उपलब्धता प्रभावित हुई है, जिसका असर अब कीमतों पर दिखाई दे रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शक्कर के बढ़ते दामों को आम जनता से जुड़ा मुद्दा बताते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने महंगाई पर सरकार से जवाब मांगा और शक्कर की कीमतों को नियंत्रित करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र की एथेनॉल नीति का असर शक्कर के बाजार पर पड़ रहा है। गन्ने का बड़ा हिस्सा एथेनॉल उत्पादन की ओर जाने से शक्कर की उपलब्धता

प्रभावित हो रही है और इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है। पूर्व महापौर और पूर्व सभापति प्रमोद दुबे ने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने बढ़ती महंगाई और शक्कर की कीमतों को लेकर सरकार को घेरा और कहा कि चुनाव के दौरान किए गए वादों और मौजूदा हालात के बीच बड़ा अंतर दिखाई दे रहा है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने भी बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम बढ़ने से आम परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ एनएसयूआई में 48 घंटे में 9 नियुक्तियां रद्द,यूथ कांग्रेस चुनाव से पहले बढ़ी खींचतान...

रायपुर,24 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ एनएसयूआई में संगठनात्मक स्तर पर उठापटक की स्थिति सामने आई है। संगठन की ओर से 20 अगस्त को जारी किए गए नियुक्ति आदेश को महज 48 घंटे के भीतर रद्द कर दिया गया। इस आदेश के जरिए चार विधानसभा अध्यक्षों और पांच जिलाध्यक्षों समेत कुल नौ नए चेहरों को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। नियुक्तियां रद्द किए जाने के बाद एनएसयूआई के भीतर चल रही गतिविधियों को लेकर राजनीतिक और संगठनात्मक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

चार विधानसभा अध्यक्षों की हुई थी नियुक्ति : 20 अगस्त को जारी आदेश में एनएसयूआई ने प्रदेश की चार विधानसभा इकाइयों के लिए नए अध्यक्ष नियुक्त किए थे। इनमें पाटन, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़ और कांकेर विधानसभा क्षेत्र शामिल थे। संगठन ने इन क्षेत्रों में नई जिम्मेदारी देकर स्थानीय स्तर पर गतिविधियों को मजबूत करने की कोशिश की थी। हालांकि, नियुक्ति के दो दिन के भीतर ही इन सभी आदेशों को वापस ले लिया गया।

पांच जिलों में भी बदले गए थे अध्यक्ष : विधानसभा अध्यक्षों के साथ-साथ एनएसयूआई ने पांच जिलों में भी नए

जिलाध्यक्षों की घोषणा की थी। इनमें मुंगेली, बालोद, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, बिलासपुर ग्रामीण और बिलासपुर शहर शामिल थे। इन नियुक्तियों के जरिए संगठन ने जिला स्तर पर भी नए नेतृत्व को आगे बढ़ाने का फैसला किया था। लेकिन अब इन सभी नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया है।

नौ नए चेहरों को मिली थी जिम्मेदारी : 20 अगस्त के आदेश के जरिए कुल नौ कार्यकर्ताओं को एनएसयूआई संगठन में महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी मिली थी। चार नेताओं को विधानसभा अध्यक्ष और पांच नेताओं को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। कम समय में ही नियुक्तियां वापस लिए जाने से संगठन के भीतर फैसले को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, नियुक्तियां रद्द करने के पीछे का आधिकारिक कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं किया गया है।

एनएसयूआई में संगठनात्मक स्थिति को लेकर चर्चा तेज : नियुक्तियों को जल्द रद्द किए जाने से छत्तीसगढ़ एनएसयूआई में सबकुछ सामान्य नहीं होने की चर्चा शुरू हो गई है। संगठन में पदों को लेकर पहले से चल रही गतिविधियों के बीच यह फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी से जुड़े कार्यकर्ताओं की नजर अब इस बात पर है कि संबंधित पदों पर दोबारा नियुक्तियां कब की जाएंगी और नए नामों का चयन किस प्रक्रिया के तहत होगा।

पाटन से कांकेर तक नियुक्तियां हुई थीं

जिन विधानसभा इकाइयों में अध्यक्ष नियुक्त किए गए थे, उनमें प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों का प्रतिनिधित्व शामिल था। पाटन, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़ और कांकेर जैसे क्षेत्रों में संगठन को नई जिम्मेदारियां दी गई थीं। इन नियुक्तियों का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर छात्र राजनीति और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देना माना जा रहा था। अब आदेश रद्द होने के बाद इन पदों पर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है।

छत्तीसगढ़ में 31 आईपीएस अफसरों का ट्रांसफर

जीपी सिंह पुलिस अकादमी के डीजी बनाए गए,काबरा को रेल-ट्रैफिक की भी जिम्मेदारी

रायपुर,24 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ सरकार ने 31 आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। इनमें वरिष्ठ अधिकारियों के प्रभार भी बदले गए हैं। डीजी पवन देव का विभाग भी बदला गया है। आईपीएस पवन देव (1992) को अध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक, छग पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन, रायपुर से नगरसेना, नागरिक सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाओं का महानिदेशक बनाया गया है। वहीं 1994 बैच के एसआरपी कल्लूरी को छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन का प्रबंध संचालक बनाया गया है। गुरजिंदर पाल सिंह को महानिदेशक प्रशिक्षण के साथ राज्य पुलिस अकादमी के महानिदेशक की जिम्मेदारी दी गई है। प्रदीप गुप्ता को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशासन एवं चयन) बनाया गया है। आईपीएस अजातशत्रु बहादुर सिंह (2011 बैच) को पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर में गुप्तवार्ता और विशेष शाखा के डीआईजी पद से

हटाकर नगर सेना,एसडीआरएफ और अग्निशमन सेवाओं के डीआईजीऔर निदेशक की जिम्मेदारी दी गई है। बता दें कि 6 दिन पहले ही 22 आईएएस अधिकारियों और एक आईएफएस अधिकारी का तबादला किया गया था। इसमें 6 जिलों के कलेक्टर भी बदले गए थे।

काबरा को रेल और ट्रैफिक का अतिरिक्त प्रभार : 1997 बैच के आईपीएस दीपांशु काबरा को वर्तमान जिम्मेदारियों के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रेल और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यातायात का प्रभार दिया गया है। वहीं विवेकानंद को वर्तमान काम के साथ वित्त, योजना एवं प्रबंध का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अमित कुमार को वर्तमान जिम्मेदारी के साथ एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। डॉ. आनंद छाबड़ा को तकनीकी सेवाएं, डायल-112 और दूरसंचार की जिम्मेदारी दी गई है। ओमप्रकाश पाल को पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था/सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं अंकित कुमार गर्ग को राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला के संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। शासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सभी अधिकारियों को आगामी आदेश तक नई पदस्थापना पर अस्थायी रूप से पदस्थ किया गया है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पुलिसकर्मी के हक में सुनाया अहम फैसला

बिलासपुर,24 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग में पदोन्नति से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि एक वेतनवृद्धि को बिना संचयी प्रभाव के रोकना मामूली दंड है। ऐसे दंड को बड़ा दंड मानकर कर्मचारी को पदोन्नति के लिए विचार से बाहर नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति राकेश मोहन पांडेय की एकलपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता शेखर सिन्हा के पक्ष में फैसला सुनाया और उन्हें सहायक उप निरीक्षक पद पर पदोन्नति के दावे पर विचार करने के निर्देश दिए। याचिकाकर्ता शेखर सिन्हा वर्ष 1991 में आरक्षक के पद पर

नियुक्त हुए थे और वर्ष 2008 में उन्हें प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नति मिली थी। वर्ष 2021 में उनके खिलाफ एक वेतनवृद्धि को बिना संचयी प्रभाव के रोकने का दंड लगाया गया। इसके बाद जब उनके सहकर्मियों को सहायक उप निरीक्षक पद पर पदोन्नति के लिए विचार किया गया, तो शेखर सिन्हा के नाम पर विचार नहीं किया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)